www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 290 || अम्बेडकरनगर
गुरुवार
15 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:57
सूर्यास्त: 05:34
अधिकतम: 17°00
न्यूनतम: 08°00

पेज 07

विशेष समाचार: वैश्विक राजनीति : आखिर... >> पेज 04 | कानपुर गैंगरेप पीड़िता के... >> पेज 06 | श्रद्धा की शादी की अटकलों पर ...

ट्रंप को बताया पहला किलर, दूसरे नंबर पर नेतन्याहू, मुल्क में अबतक 2500 मौतें

गरजा ईरान

- ईरान में हालात बिगड़े, भारतीयों को तुरंत निकलने की सलाह
- तेहरान में आज एक साथ 300 शवों को दफनाया जाएगा
- प्रदर्शनकारी को सरेआम फांसी

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ तेहरान/वॉशिंगटन डीसी । ईरान में हिंसक प्रदर्शन की वजह से भारत सरकार ने बुधवार को नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए।

इस एडवाइजरी में कहा गया है कि यह सलाह 5 जनवरी की पिछली एडवाइजरी के आगे की कड़ी है और ईरान की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए दी गई है।

सरकार ने यह भी दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहना चाहिए।

ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखें ताकि किसी भी नई जानकारी से अवगत रहें। ईरान में बुधवार शाम 300 शवों को दफनाया जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

मिडिल ईस्ट देश ईरान में सैन्य तनाव कम करने की कोशिश कर रहे

अमेरिका के करीबी तीन खाड़ी अरब देश सऊदी अरब, कतर और ओमान ईरान पर किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। ये डिप्लोमैटिक लेवल पर एक्टिव हैं, क्योंकि ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक लोकल अधिकारी ने CNN को बताया कि इन देशों को डर है कि अगर ईरान पर हमला हुआ तो इसका असर पूरे मिडिल ईस्ट पर पड़ेगा। सैन्य कार्रवाई से क्षेत्र की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था दोनों को भारी नुकसान हो सकता है।

ईरानी सुप्रीम लीडर अली खामेनेई की तस्वीर जलाती एक ईरानी लड़की।

'ईरान तुरंत छोड़ें, कागजात तैयार रखें', बिगड़ते हालात के बीच भारतीयों को एमईए की एडवाइजरी

सुल्तानी पर सरकार के खिलाफ जंग भड़काने का आरोप

सुल्तानी पर मोहरेबेह (भगवान के खिलाफ युद्ध छेड़ना) का आरोप लगाया गया है। यह ईरानी कानून में सबसे गंभीर अपराधों में से एक है, जिसकी सजा मौत (फांसी) होती है।

यह आरोप आमतौर पर उन लोगों पर लगाया जाता है, जो सरकार के खिलाफ विद्रोह या जंग भड़काने के दोषी माने जाते हैं। सुल्तानी को ट्रायल, वकील या अपील का मौका नहीं दिया गया। गिरफ्तारी के बाद परिवार को बताया गया कि उन्हें मौत की सजा सुनाई गई है और 14 जनवरी को इसे अमल में लाया जाएगा।

मानवाधिकार संगठन और एक्साइल एक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह फास्ट-ट्रैक एक्जीक्यूशन (रैपिड/शो ट्रायल) का हिस्सा है। सरकार का मकसद डर फैलाकर बाकी हजारों प्रदर्शनकारियों (10,000+ गिरफ्तार) को चुप कराना है। यह विरोध प्रदर्शन के दौरान पहली फांसी होगी।

द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के बाद ईरान दुनिया में सबसे अधिक लोगों को फांसी देने वाला देश है। नॉर्वे स्थित ईरान मानवाधिकार समूह के मुताबिक, पिछले साल ईरान ने कम से कम 1,500 लोगों को फांसी दी।

ईरान में बिगड़ते हालात को देखते हुए तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीय नागरिकों को तत्काल देश छोड़ने की सलाह दी है. दूतावास ने कहा है कि छात्र, तीर्थयात्री, कारोबारी और पर्यटक मौजूद साधनों, खासकर कमर्शियल फ्लाइट्स के जरिए ईरान से निकलें और सुरक्षा को लेकर पूरी सतर्कता बरतें

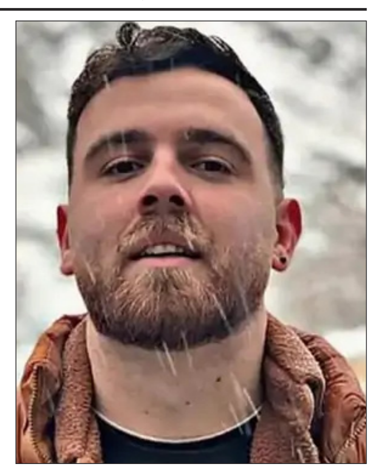

इरफान सुलतानी तेहरान के पास कराज का रहने वाला है। उसे प्रदर्शन में शामिल होने के दौरान गिरफ्तार किया गया था।

ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों को इमारतों पर कब्जा करने की सलाह दी है

प्रदर्शनों के बीच ट्रम्प ने ईरान में लोगों को सरकारी इमारतों पर कब्जा करने की सलाह दी है। उन्होंने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा ईरान के देशभक्त प्रदर्शन करते रहें और अपनी संस्थाओं को अपने कब्जे में लें। मदद रास्ते में हैं। जो लोग प्रदर्शनकारियों की हत्या कर रहे हैं, उनके नाम नोट कर लो। उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी के मुताबिक ईरान के सभी 31 प्रांतों में 600 से ज्यादा प्रदर्शन हुए हैं। CNN के मुताबिक अब तक ईरान में मरने वालों की संख्या 2400 से ज्यादा हो गई है।

ट्रम्प के टैरिफ पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट का फैसला टला

अगली सुनवाई आज ट्रम्प ने कहा था- अगर हारे तो देश बर्बाद हो जाएगा

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली, वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ लगाने के अधिकार पर अपना फैसला फिलहाल टाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मामले की अगली सुनवाई कल होगी। इससे पहले 9 जनवरी को फैसला आने की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन उस दिन भी कोई फैसला नहीं हुआ था।

इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट ने उनके लगाए गए ग्लोबल टैरिफ को रद्द किया, तो अमेरिका के लिए हालात पूरी तरह बिगड़ सकते हैं। इससे देश को टैरिफ से आए अरबों डॉलर लौटाने पड़ सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ट्रम्प ने व्यापार घाटे को नेशनल इमरजेंसी बताते हुए अप्रैल 2025 में ग्लोबल टैरिफ लगाया था।

ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर टैरिफ लगाया

दरअसल, अप्रैल 2025 में ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देते हुए दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर भारी टैरिफ यानी आयात शुल्क लगा दिए थे। टैरिफ का मतलब होता है कि किसी देश से आने वाले सामान पर ज्यादा टैक्स लगाया जाए, ताकि वह महंगा हो जाए और घरेलू कंपनियों को फायदा मिले। ट्रम्प का दावा है कि इन टैरिफ्स से अमेरिका को 600 अरब डॉलर से ज्यादा राजस्व मिला है।

>> (शेष पेज 06 पर)

सिंगापुर पुलिस ने कहा-सिंगर जुबीन की मौत डूबने से हुई

नई दिल्ली। सिंगर जुबीन गर्ग की मौत को लेकर सिंगापुर पुलिस ने किसी भी तरह की साजिश से इनकार किया। पांच महीने बाद पुलिस ने कोर्ट में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके मुताबिक, जुबीन की मौत डूबने की वजह से हुई थी। उन्होंने नशे की हालत में लाइफ जैकेट पहनने से इनकार कर दिया था। दरअसल 52 साल के सिंगर जुबीन की 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में एक यॉट पार्टी के दौरान मौत हो गई थी। वे सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने पहुंचे थे। हालांकि परफॉर्मेंस से एक दिन पहले उनकी जान चली गई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 25 नवंबर को विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की मौत कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या थी। वे दोषियों को सजा दिलाकर रहेंगे।

केंद्रीय राज्यमंत्री के घर पीएम ने मनाया पोंगल

बोले- तमिल संस्कृति साझी विरासत

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार सुबह केंद्रीय राज्यमंत्री एल मुरुगन के आवास पर आयोजित पोंगल समारोह में शामिल हुए। पीएम ने पूजा की। उन्होंने गाय को भी भोजन खिलाया।

पीएम ने कहा कि तमिल संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है। तमिल संस्कृति सदियों को जोड़ती है। आज पोंगल एक ग्लोबल त्योहार बन गया है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में तमिल समुदाय और जो लोग तमिल संस्कृति को पसंद करते हैं। पोंगल को बहुत उत्साह से मनाते हैं और मुझे उनमें से एक होने पर गर्व है।

>> (शेष पेज 06 पर)

- पोंगल त्योहार पर मुख्य रूप से वेन पोंगल (नमकीन) और
- सक्करई पोंगल (मीठा) बनाया जाता है।

फास्ट न्यूज

मकर संक्रांति-मांझे से यूपी में डॉक्टर का गला कटा, मौत

नई दिल्ली । देशभर में मकर संक्रांति दो दिन मनाई जा रही है। कुछ जगह 14 जनवरी को तो कुछ जगह 15 जनवरी को मनाई जाएगी। दरअसल, सूर्य आज दोपहर करीब 3.20 बजे मकर राशि में प्रवेश करेगा।

खींचतान | बयान

सिद्धारमैया बोले- कर्नाटक सीएम पद पर हर दिन भ्रम

बेंगलुरु । कर्नाटक में एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी के साथ मीटिंग के दौरान सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार की मौजूदगी में लीडरशिप का मुद्दा उठा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि वह कैबिनेट विस्तार करना चाहते हैं, लेकिन कर्नाटक CM के पद को लेकर हर दिन भ्रम की स्थिति बन रही है। ऐसे में राहुल गांधी को CM पद की स्थिति को साफ करना चाहिए।

इंडियन नेवी का जहाज 'कौंडिन्य' भारत से ओमान पहुंचा

नई दिल्ली । इंडियन नेवी का 2000 साल पुरानी पाल विधि से निर्मित जहाज INSV कौंडिन्य बुधवार को 18 दिनों की यात्रा पूरी कर गुजरात से ओमान पहुंच गया। कौंडिन्य ने 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से यात्रा शुरू की थी और 14 जनवरी को ओमान के मस्कट पहुंचा।

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 32 की मौत

67 घायल, ज्यादातर स्कूली छात्र, 65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली, थाईलैंड । थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

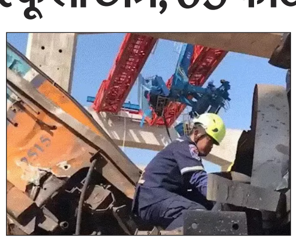

यह दुर्घटना बुधवार सुबह करीब 9:05 बजे बैंकॉक से 230 किलोमीटर (143 मील) उत्तर-पूर्व में स्थित नाखोन रत्चासिमा प्रांत में हुई।

बचाव दल ने अब तक 12 शव बरामद किए

हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कई यात्री डिब्बों में फंसे हुए थे, जिन्हें कटिंग और स्प्रेडिंग उपकरणों की मदद से बाहर निकाला गया। अब तक 12 शव बरामद कर लिए गए हैं। प्रशासन और रेलवे अधिकारी जांच कर रहे हैं कि क्रेन क्यों गिरी और सुरक्षा नियमों का पालन हुआ या नहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

ईडी ने लखनऊ कोर्ट में मास्टरमाइंड समेत 17 के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की

यूपी सिपाही आरओ-एआरओ पेपर लीक, मनीलॉन्ड्रिंग जांच

ईडी की जांच में सामने आया कि रवि अत्री और सुभाष प्रकाश इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड थे।

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में ED ने उत्तर प्रदेश सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 और UPPSC RO/ARO भर्ती परीक्षा-2023 के बहुचर्चित पेपर लीक मामले में 17 अभियुक्तों के खिलाफ विशेष न्यायालय, में पूरक आरोप पत्र दाखिल किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने प्रश्नपत्र लीक कर अभ्यर्थियों से मोटी रकम वसूली थी।

ईडी लखनऊ द्वारा दाखिल पूरक आरोप पत्र में बताया गया है कि लीक पेपर बेच कर अभ्यर्थियों से बड़ी रकम ली गई, जिसे बाद में बैंक खातों, संपत्तियों और नकद लेन-देन के जरिए खपाया गया। ईडी ने इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के स्पष्ट सबूत मिलने के बाद चार्जशीट दाखिल की है। इससे पहले ईडी लखनऊ ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की लगभग 1.02 करोड़ रुपए की संपत्तियां अटैच की थीं। इनमें प्लॉट, अपार्टमेंट, बैंक खाते और वाहन शामिल हैं। जांच में पाया गया कि ये संपत्तियां सीधे तौर पर पेपर लीक से अर्जित अपराध की आय से खरीदी गई थीं।

>> (शेष पेज 06 पर)

बैंक खातों में संदिग्ध लेन-देन उजागर

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि परीक्षा अधिसूचना जारी होने के बाद और परीक्षा तिथियों के आसपास आरोपियों के बैंक खातों में भारी रकम जमा की गई। कई खातों में अचानक बड़े क्रेडिट और कैश डिपॉजिट दर्ज किए गए, जिन्हें ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ा है।

रिजॉर्ट में ठहराकर कराई गई थी 'सेटिंग'

ईडी की जांच में खुलासा हुआ कि लीक किए गए प्रश्नपत्र अभ्यर्थियों को देने के लिए उन्हें हरियाणा के मानेसर और मध्य प्रदेश के रीवा स्थित रिजॉर्ट्स में ठहराया गया था। परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को वहीं प्रश्नों की तैयारी कराई गई, ताकि वे परीक्षा में सफलता हासिल कर सकें।

घटना : 10 से ज्यादा टेंट चपेट में आए ■ कल्पवासियों में अफरातफरी मची

माघ मेला में लगातार दूसरे दिन आग लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज माघ मेले में लगातार दूसरे दिन आग भड़क उठी। बुधवार शाम को ब्रह्माश्रम शिविर में अचानक आग लग गई। तेज हवा से लपटों ने 2 बड़े शिविर को चपेट में ले लिया। इससे 10 से ज्यादा टेंट जल गए। कल्पवासियों ने भागकर जान बचाई। बाह्माश्रम शिविर सेक्टर 4 के लोअर मार्ग पर है। ऊंची उठती लपटों के साथ धुआं करीब 5 KM दूर से दिख रहा था। फायर ब्रिगेड की टीमों ने पानी की बौछार डालकर आग पर काबू पाया।

इस दौरान पूरे एरिया को सील कर दिया गया, ताकि आग ज्यादा न फैले। सबसे पहले पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया। फिर 10 फायर ब्रिगेड और 10 एम्बुलेंस मौके पर पहुंचीं। 30 दमकल कर्मचारियों ने लोगों को दूसरी जगह पर शिफ्ट करवाया। टेंट में कल्पवासियों के सामान जलकर राख हो गए। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले मंगलवार शाम नारायण शुक्ला धाम शिविर में आग लगी थी। इससे 15 टेंट और 20 दुकानें जल गई थीं। एक कल्पवासी झुलस गए थे। जहां ये घटना हुई थी, वो शिविर सेक्टर 5 में है। दमकल की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं थी। करीब डेढ़ घंटे की मेहनत के बाद आग बुझा ली गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

अग्निशमन अधिकारी अनिमेष सिंह ने कहा ये आग शिविर में लगे दीये की वजह से लगी थी। फूस और कपड़े में आग लगने के बाद तेजी से आसपास के शिविरों में फैल गई। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ है।

सतुआ बाबा घटनास्थल पर पहुंचे, अधिकारियों से बात की

आग लगने के बाद सतुआ बाबा मौके पर पहुंचे। संतों से उन्होंने बात की। उन्होंने पूछा- क्या कुछ नुकसान हुआ है। संत अब इसका आकलन कर रहे हैं।

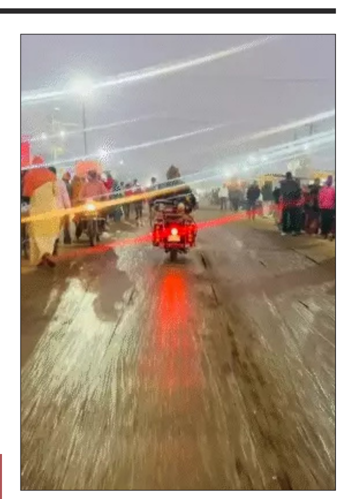

फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने एरिया को सील कर दिया।

'ग्रीनलैंड पर कब्जे से कम कुछ मंजूर नहीं'

ट्रम्प ने कहा ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा जरूरी

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर कहा है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा होना जरूरी है और इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। उन्होंने बुधवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा- अमेरिका को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड की जरूरत है। ट्रम्प ने लिखा कि इस मामले में NATO को अमेरिका का साथ देना चाहिए। अगर अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर कंट्रोल नहीं किया, तो रूस या चीन वहां अपना असर बढ़ा सकते हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। ट्रम्प ने कहा कि अगर ग्रीनलैंड, अमेरिका के हाथ में होता है तो NATO कहीं ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली बन जाएगा। NATO टूटने के खतरे पर ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका की बड़ी सैन्य ताकत के बिना यह संगठन कुछ भी नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

ग्रीनलैंड बोला- अमेरिका नहीं डेनमार्क को चुनेंगे

एक महीने में साढ़े चार करोड़ वोटर कहां गायब हो गए, चुनाव आयोग जवाब दे : संजय सिंह

'एसआईआर के नाम पर यूपी में साढ़े चार करोड़ मतदाताओं का सफाया'

कटाक्ष

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । यू पी में एसआईआर के नाम पर हो रहे तमाशे पर सुप्रीम कोर्ट को ध्यान दिलाने के लिए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार, चुनाव आयोग के शीर्ष अधिकारी और योगी सरकार के कर्मचारियों ने मिलकर उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के साथ अब तक का सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा किया है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में 17 करोड़ मतदाता बताए गए, फिर गहन पुनरीक्षण के नाम पर यह संख्या घटाकर 12 करोड़ 55 लाख कर दी गई, यानी साढ़े चार करोड़ मतदाता एक महीने में गायब कर दिए गए। यह सीधा-सीधा लोकतंत्र और संविधान पर हमला है। संजय सिंह ने खुलासा किया कि जैसे ही 4 करोड़ 50 लाख मतदाता साफ किए गए, उसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर बूथ पर 200 वोट बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 1 लाख 77 हजार बूथ हैं, यानी भाजपा करीब साढ़े तीन करोड़ वोट उत्तर प्रदेश में बढ़ाने की तैयारी में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा बिहार, हरियाणा, दिल्ली, मुंबई और राजस्थान से लोगों को लाकर उत्तर प्रदेश में फर्जी तरीके से वोटर बनवाने का खेल कर रही है। संजय सिंह ने कहा, "भाजपा पहले वोट काटने की लिस्ट देती है और फिर वोट जोड़ने की लिस्ट लेकर आती है, विपक्ष के मतदाता धक्के खाते रह जाते हैं।" उन्होंने बताया कि भाजपा के एक विधायक ने खुले तौर पर कहा है कि उनके 18 हजार वोट बढ़ गए, जो इस पूरे खेल की पोल खोल देता है।

> **राज्य सरकार के ही कर्मचारियों ने बनाई दोनों सूचियां, फिर एक महीने में 17 करोड़ से 12.55 करोड़ वोटर कैसे हो गए?: संजय सिंह**
>
> **भाजपा पहले वोट काटती है, फिर हर बूथ पर 200 वोट जोड़ने की साजिश करती है: संजय सिंह**
>
> **जिंदा लोगों को मरा और मरे को जिंदा दिखाया गया, यह एसआईआर के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा है**
>
> **- संजय सिंह**

मतदाता सूची से कनाडा की आबादी से ज्यादा नाम गायब, चुनावी साजिश बेनकाब

प्रदेश में कुल 17 करोड़ मतदाता

संजय सिंह ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश सरकार के कर्मचारियों ने ग्राम पंचायत, बीडीसी, जिला पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अलग-अलग मतदाता सूचियां तैयार कीं और इन्हीं सूचियों के आधार पर दिसंबर 2025 में बताया गया कि प्रदेश में कुल 17 करोड़ मतदाता हैं। लेकिन जब इन्हीं कर्मचारियों ने गहन पुनरीक्षण किया तो अचानक दावा किया गया कि शहरी और ग्रामीण मिलाकर प्रदेश में सिर्फ 12 करोड़ 55 लाख मतदाता हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि एक महीने में साढ़े चार करोड़ मतदाता कहां चले गए? संजय सिंह ने कहा, "अगर यह गहन पुनरीक्षण सही था तो 4 करोड़ 50 लाख मतदाताओं को किस आधार पर सूची से उड़ाया गया?" उन्होंने आगे कहा, "यह गलती नहीं, बल्कि योजनाबद्ध धांधली है, जिसकी पूरी जांच होनी चाहिए।"

उत्तरायणी कौथिग मेले का उत्तराखंड सीएम धामी ने किया उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

बोले- लखनऊ की धरती से चुनौतियां से लड़ना-संघर्ष करना सीखा

लखनऊ । लखनऊ में उत्तरायणी कौथिग मेले का आयोजन किया जा रहा है। गोमती तट स्थित पं. गोविंद बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में बुधवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मेले का उद्घाटन किया। इस अवसर पर धामी ने कहा-लखनऊ की धरती से चुनौतियां से लड़ना-संघर्ष करना सीखा है। इससे पहले दोपहर 2 बजे से महानगर स्थित रामलीला मैदान से शोभायात्रा निकाली गई। पर्वतीय महापरिषद का रजत जयंती वर्ष होने की वजह से इस बार 15 दिन का आयोजन होगा। इसमें 28 जनवरी तक उत्तराखंड की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। समापन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आमंत्रित किया गया है। यह 15 दिवसीय महोत्सव पं. गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन, बीरबल साहनी मार्ग, गोमती तट पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजन स्थल को उत्तराखंड की पहाड़ी संस्कृति के अनुरूप सजाया गया है, जहां लोकनृत्य, लोकगीत, पारंपरिक खान-पान और हस्तशिल्प प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

रजत जयंती वर्ष के इस विशेष आयोजन का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। आयोजकों के अनुसार मुख्यमंत्री का कार्यक्रम पर्वतीय समाज के लिए प्रेरणास्रोत होगा उत्तरायणी कौथिग मेले का आयोजन पर्वतीय महापरिषद उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा किया जा रहा है।

फास्ट न्यूज

वन निगम के खाते से 64.82 करोड़ की हेराफेरी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश वन निगम के 64.82 करोड़ रुपए का फर्जी तरीके से ट्रांसफर किए जाने का मामला सामने आया है। वन निगम ने बैंक ऑफ इंडिया की सदर शाखा, लखनऊ पर वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। आरोप है कि बैंक ने फर्जी सावधि जमा (FD) रसीद जारी कर निगम को गुमराह किया। निगम के नाम से फर्जी खाता खोलकर करोड़ों रुपए उसमें स्थानांतरित कर दिए।

ह्यूमन राइट्स महिला कार्यकर्ता से ब्लैकमेलिंग

लखनऊ । लखनऊ के इंदिरा नगर में महिला सामाजिक कार्यकर्ता (मानवाधिकार) ने तीन लोगों पर षड्यंत्र के तहत लगातार मानसिक उत्पीड़न, ब्लैकमेलिंग और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता वर्तमान में युवा सशक्तिकरण संस्थान की मैनेजिंग ट्रस्टी हैं। पीड़िता का कहना है आरोपियों ने फर्जी सोशल मीडिया आईडी संगठन की महिला उपाध्यक्ष को भी मैसेज करके अनर्गल बातें लिखीं। उन्होंने बताया अंशिका रावत, उसका भाई आयुष रावत और मां रंजीता रावत लगातार फोन कॉल, वॉट्सऐप संदेश और सोशल मीडिया के जरिए अश्लील, अपमानजनक और गाली-गलौज वाले मैसेज भेज रहे हैं।

प्रो.जेपी सैनी ने एलयू कुलपति का पदभार ग्रहण किया

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रो.जेपी सैनी ने विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने यह दायित्व कार्यवाहक कुलपति प्रो.मनुका खन्ना से ग्रहण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी मेंबर्स और स्टाफ मौजूद रहे। 3 जनवरी को राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने आदेश जारी कर उन्हें अगले 3 साल से लिए कुलपति नियुक्त किया था।

24 लाख रुपए हाउस टैक्स बकाया था

24 लाख रुपए हाउस टैक्स बकाया था

साईं मार्केट में 33 दुकानें सील, 14 लाख का बकाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बकाया हाउस टैक्स की वसूली के लिए नगर निगम ने जोन-7 में सख्ती बरती है। बुधवार को 52 कामर्शियल दुकानों को सील कर दिया गया। इन पर कुल 24 लाख से अधिक का टैक्स बकाया था।

नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद ने टीम के साथ में कार्रवाई की। बीबीडी कॉलेज के सामने साईं मार्केट की 33 दुकानों को सील किया गया। इन पर करीब 14 लाख रुपए बकाया थे। जोन-7 के कैलाश कुंज ब्लॉक-ए, इंदिरा नगर, कंचना बिहारी मार्ग, कल्याणपुर समेत अन्य इलाकों में 19 और दुकानों पर कार्रवाई हुई।

इन पर 10 लाख से ज्यादा का बकाया था। कुल 52 प्रतिष्ठानों पर सील लगाई गई। नगर निगम अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई नियमों के अनुरूप है। बार-बार नोटिस के बावजूद भुगतान न करने वालों के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी। जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद ने अपील की व्यापारी और संपत्ति मालिक समय पर बकाया जमा करें, ताकि आगे परेशानी न हो।

ब्याज अर्थदंड माफ हो किश्तों में भुगतान करने की सुविधा मिले

राजधानी में नगर आयुक्त के साथ व्यापारियों की बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

मांगें -बिना कनेक्शन के पानी के बिल की आरसी निरस्त हो

लखनऊ। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के नेतृत्व में आज लखनऊ के विभिन्न बाजारों के प्रतिनिधियों ने आज नगर आयुक्त गौरव कुमार के साथ बैठक की बैठक में मुख्य रूप से ग्रहकर के अनावश्यक बढ़े हुए बिलों पर आपत्ति व्यक्त की गई।

संदीप बंसल ने कहा कि बिलों को बढ़ाकर इसलिए भेजा जाता है ताकि उस पर मोलभाव किया जा सके और भ्रष्टाचार की गुंजाइश बनी रहे। इसलिए प्रक्रिया इतनी पारदर्शी हो की बिजली की यूनिट की तरह प्रत्येक व्यक्ति अपने घर के गृहकर का भी निर्धारण कर सके

संदीप बंसल ने कहा कि बिना पानी के हजारों लाखों रुपये के बिल लखनऊ वासियों को जल संस्थान भेज रहा है जो किसी भी दृष्टि से व्यावहारिक नहीं है।

संविधान में स्पष्ट है कि जल और हवा पर कर नहीं लिया जा सकता। देश के सभी राज्यों में पानी का भुगतान मीटर के आधार पर लिया जाता है और सभी दुकानों पर मीटर लगे हैं। लखनऊ और उत्तर प्रदेश में इस कारण जल के बिल के नाम पर व्यापारी उद्यमी और आम जनता को नोटिस भेजे जा रहे हैं जिससे उन पर मानसिक तनाव तो बन ही रहा है। ऐसे भ्रष्ट कर्मचारी अधिकारी अपनी मनमानी करके कुछ न कुछ व्यक्तिगत धन की उगाही भी लोगों से कर रहे हैं जिस पर तत्काल रोक लगाना जरूरी है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने इन बातों पर अपनी सहमति व्यक्त करते हुए व्यापारियों से कहा कि उनको कतई घबराने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा कोई भी मामला जो उनके संज्ञान में लाया जाएगा तो उस पर दंडात्मक कार्यवाही उनके द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया को अत्यंत पारदर्शी बनाने के लिए नगर निगम द्वारा आवासीय एवं अनावश्यक भवनों का संपत्ति कर निर्धारण स्वयं किया जा सके। इसका पंचम संस्करण छप चुका है उसकी प्रतिलिपि उन्होंने संदीप बंसल को दी।

नगर आयुक्त ने कहा कि इस प्रतिलिपि में स्वतः कर निर्धारण करने का तरीका मौजूद

नगर आयुक्त ने कहा कि इस प्रतिलिपि में स्वतः कर निर्धारण करने का तरीका मौजूद है। इसकी कॉपी कराकर व्यापार मंडल बाजारों में यदि बंटवा दे तो तमाम व्यापारियों को ग्रह करके निर्धारण के लिए बहुत सुविधा हो सकती है। सारी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी और भ्रष्टाचार की गुंजाइश समाप्त हो जाएगी। जिस पर व्यापारियों ने सहमति जताते हुए नगर आयुक्त से इस संदर्भ में जारी की गई आरसी को निरस्त करने का अनुरोध किया और अतिशीघ्र जल संस्थान के साथ एक बैठक आयोजित करके ऐसे सभी मामलों का निस्तारण करने को कहा। उन्होंने नगर आयुक्त से ग्रहकर के असेसमेंट बिल की भी प्रति जनता को भेजने का आग्रह किया जिसको नगर आयुक्त द्वारा स्वीकार किया गया।

कन्या विवाह, मातृत्व, शिक्षा, गंभीर बीमारी सहित विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

लेबर अड्डों पर जागरूकता एवं पंजीयन शिविर का आयोजन

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु श्रमिकों को किया गया प्रेरित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा बोर्ड में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं श्रमिकों के पंजीयन/नवीनीकरण के उद्देश्य से बुधवार को लेबर अड्डा मोहनलालगंज, लेबर अड्डा बुद्धेश्वर तथा लेबर अड्डा बाराबिरवा, आशियाना, लखनऊ में जागरूकता अभियान एवं पंजीयन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से निर्माण श्रमिकों को कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना तथा अटल आवासीय विद्यालय योजना सहित बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान योजनाओं से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए तथा मौके पर पात्र पाए गए श्रमिकों का पंजीकरण भी कराया गया। जागरूकता शिविर में विशेष रूप से अटल आवासीय विद्यालय योजना के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा-06 एवं कक्षा-09 में प्रवेश के लिए अधिकाधिक आवेदन कराने पर जोर दिया गया। बोर्ड के अंतर्गत न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुके श्रमिकों को अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवेदन करने हेतु प्रेरित किया गया। अपर श्रमायुक्त, लखनऊ क्षेत्र, कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि बोर्ड द्वारा संचालित किसी भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्माण श्रमिक का बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत होना एवं पंजीयन का नियमानुसार नवीनीकरण अनिवार्य है। श्रमिक अपना पंजीकरण एवं नवीनीकरण सी.एस.सी. ई-डिस्ट्रिक्ट सेंटर, सी.एस.सी. ई-गवर्नेंस सेंटर अथवा बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in के माध्यम से करा सकते हैं।

> **66 शिविर के आयोजन में विज्ञान फाउंडेशन एवं अन्य कार्यदायी संस्थाओं के साथ श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्रीमती शक्तिराय, श्री संतोष कुमार एवं श्री सुनील कुमार की सक्रिय उपस्थिति रही। अधिकारियों ने श्रमिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु समय से पंजीयन एवं नवीनीकरण कराने की आवश्यकता पर बल दिया।**

विद्युत कनेक्शन हेतु रू 02 करोड़ से अधिक की धनराशि की स्वीकृति

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राज्य कृषि विकास योजना (SADP) के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म 00-800-अन्य व्यय 04-कृषि क्षेत्र की क्षमता एवं कौशल विकास तथा उत्पादन वृद्धि की योजना के अन्तर्गत खाद्य प्रसंस्करण विभाग के तहत कामन इन्क्यूबेशन सेन्टर्स मे विद्युत कनेक्शन हेतु रू0 206.00 लाख (रू० दो करोड छः लाख मात्र) की वित्तीय स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से प्रदान की गयी है

इस सम्बन्ध मे आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी कर दिया गया है जारी शासनादेश मे निर्देश दिये गये हैं कि स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय अनुमोदित कार्ययोजना एवं योजना हेतु निर्धारित दिशा निर्देशों/गाइड लाइन्स एवं संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा तथा पूर्व में निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र/व्यय विवरण सुसंगत अभिलेखों सहित शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही यह स्वीकृत धनराशि व्यय की जायेगी। नियोजन विभाग के निर्देशों एवं स्वीकृत परियोजना प्रारूप का पूर्णरूप से पालन सुनिश्वित किया जाएगा। इस संदर्भ में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के नीतिगत दिशा-निर्देशों/निर्धारित गाइडलाइन्स की शर्तों का अनुपालन किया जाएगा। जारी शासनादेश मे कहा गया है कि स्वीकृत धनराशि को सुसंगत् वित्तीय/क्रय नियमों/प्रक्रिया के अनुसार व्यय करने तथा प्रत्येक व्यय में निर्धारित प्रक्रिया एवं सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करने का उत्तरदायित्व कृषि निदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ/निदेशक, खाद्य प्रसंस्करण का होगा।

> **उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियो को निर्देश दिये है कि वह कामन इन्क्यूबेशन सेन्टरो को पूरी क्षमता के साथ संचालन हेतु आवश्यक कार्यवाही तत्परता के साथ करना सुनिश्चित करें।**

वारदात : पेट्रोल डालकर लाश जलाई, लखनऊ में सिर पर गमला पटका, गिरते ही चाकू से गला रेत दिया

शराब-सिगरेट के लिए दोस्त की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शराब-सिगरेट के लिए युवक की दो दोस्तों ने हत्या कर दी। पहले उसके सिर पर गमला मारा। फिर बेहोश होते ही चाकू से गला रेत दिया। पहचान छिपाने के लिए पेट्रोल छिड़ककर शव को आग लगा दी। पुलिस ने युवक की पहचान नगराम के टिकरा गांव निवासी सचिन तिवारी के रूप में की है। पुलिस के मुताबिक, सचिन ने दोस्त के घर पर शराब पार्टी दी थी। किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। दोनों दोस्तों ने मिलकर सचिन की हत्या कर दी। फिर शव को जलाकर सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में भागरथी एन्क्लेव के पास फेंक दिया। पुलिस ने दोनों आरोपी दोस्तों को बुधवार को अरेस्ट किया है। घटना 7 जनवरी की है। घटना के समय निहाल की मां बगल के कमरे में मौजूद थी। हत्या के बाद निहाल की मां को घटना की जानकारी हुई, जिस पर उसने शव ढकने के लिए चादर दी। इसके बाद निहाल ने करन को फोन कर स्कूटी लेकर घर बुलाया था। पुलिस के अनुसार, निहाल की मां और करन ने मिलकर घर में हुई हत्या के साक्ष्य मिटाने का पूरा प्रयास किया। घटना के बाद मां और एक दोस्त फरार है, जिसका नाम विनय बताया जा रहा है। सचिन के परिजनों ने बताया कि सात जनवरी को निहाल उनके घर पर ही रुका था।

सचिन तिवारी, मृतक

सचिन घर पर बोला- पेशी पर जा रहा हूं

सचिन के भाई विपिन ने पुलिस को बताया कि आठ जनवरी की सुबह उनका भाई दोस्त रजनी खंड निवासी निहाल के साथ पेशी पर जाने की बात कहकर निकला था। शुक्रवार को उसका शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला कसकर हत्या की पुष्टि हुई थी। सचिन का शांतिभंग में चालान हुआ था, जिसके लिए वह पेशी पर गया था।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक चाकू, होंडा एक्टिवा स्कूटी और दो एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

शव को प्लास्टिक में बांधकर स्कूटी पर लादा

हत्या के बाद निहाल ने अपने ममेरे भाई करन वाल्मीकि को फोन कर बुलाया। इसके बाद तीनों ने मिलकर शव को पहले चादर में लपेटा, फिर प्लास्टिक में बांधकर स्कूटी पर आगे लाद दिया और शव को ठिकाने लगाने के लिए निकल पड़े। पुलिस ने तीसरे आरोपी के नाम का अभी तक खुलासा नहीं किया है।

भागीरथी एन्क्लेव के पास रास्ते में एक सुनसान खाली मैदान देखकर शव को दूसरी तरफ फेंक दिया। इसके बाद आरोपी पेट्रोल लेने नीलमथा गए, जहां बोतल में पेट्रोल देने से मना कर दिया गया। तब स्कूटी में 100 रुपए का पेट्रोल डलवाकर आरोपी दोबारा शव के पास पहुंचे और अपने मफलर से स्कूटी में तेल निकालकर शव पर छिड़ककर उसको जला दिया।

सतीश महाना की नितिन नवीन से मुलाक़ात

उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने भाजपा कार्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी से सौहार्दपूर्ण मुलाक़ात की।

कलेक्ट्रेट सभागार में जिलास्तरीय बैठक, प्रशासन ने तय की पूरी कार्ययोजना

23 जनवरी को पूरे जिले में होगा ब्लैक आउट मॉक ड्रिल

निर्णय

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्म दिवस 23 जनवरी के अवसर पर प्रस्तावित ब्लैक आउट मॉक ड्रिल को लेकर जनपद स्तरीय ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज नागरिक सुरक्षा कोर की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने की, जबकि पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर बैठक में मौजूद रहे। बैठक में प्रशासनिक, पुलिस, फायर सर्विस, स्वास्थ्य,

नगर निकाय समेत सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल की पूरी प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें मॉक ड्रिल के लिए चयनित स्थान, संबंधित विभागों की जिम्मेदारियां, मॉक ड्रिल के शुरू और समाप्त होने का समय, आपात स्थिति में बचाव एवं राहत कार्यों की रूपरेखा तय की गई। सायरन बजने के बाद फायर सर्विस द्वारा आग बुझाने के अभ्यास, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और आपदा मित्रों द्वारा घायलों को प्राथमिक चिकित्सा देने तथा गंभीर रूप से घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने की कार्यवाही शामिल रहेगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने नागरिकों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी साझा किए। बताया गया कि एयर रेड सायरन बजने पर घबराएं नहीं और शांतिपूर्वक सुरक्षित स्थान पर शरण लें। अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों और स्थानीय प्रशासन का सहयोग करें। बच्चों और परिवार के अन्य सदस्यों को पहले से जागरूक रखें। ब्लैक आउट की स्थिति में मोबाइल या रेडियो पर सरकारी अलर्ट सुनते रहें।

विभागों की भूमिका स्पष्ट

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्सना बंद ने ब्लैक आउट मॉक ड्रिल के दौरान प्रमुख विभागों की भूमिका और उनकी जिम्मेदारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, ताकि मॉक ड्रिल वास्तविक आपात स्थिति के अभ्यास के रूप में प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

> 66 निर्देशों में यह भी कहा गया कि यदि कहीं संदिग्ध वस्तु या बम दिखाई दे तो उसे छुएं नहीं और तत्काल पुलिस को सूचना दें। सड़क पर होने की स्थिति में वाहन को किनारे खड़ा कर उसकी लाइट बंद कर दें और ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

23 जनवरी को शाम छह बजे होगा ब्लैक आउट

बैठक में जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि 23 जनवरी 2026 को अपराह्न 6:00 बजे से पूरे जनपद में ब्लैक आउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित समय पर हवाई हमले की चेतावनी के रूप में सायरन बजाया जाएगा। सायरन बजते ही आम नागरिकों को अपने घरों, प्रतिष्ठानों और संस्थाओं की सभी लाइटें बंद कर ब्लैक आउट करना होगा।

सीताघाट पर निषादराज और वीर एकलव्य के भव्य मंदिर का उद्घाटन

सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक समरसता का प्रतीक बना आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अम्बेडकर नगर। पिंडोरिया क्षेत्र स्थित सीताघाट पर मंगलवार को निषादराज और वीर एकलव्य देव की मूर्तियों की स्थापना के साथ भव्य मंदिर का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री समाधि साहब सर्व समाज सेवा समिति के तत्वावधान में किया गया, जिसमें जनपद ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उद्घाटन समारोह को सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक विरासत से जोड़कर देखा गया।

समारोह की अध्यक्षता पूर्व सांसद रितेश पाण्डेय ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि निषादराज और प्रभु श्रीराम की मित्रता सनातन संस्कृति में सामाजिक सौहार्द, स्नेह और परस्पर सम्मान का जीवंत उदाहरण है। निषाद समाज का

इतिहास साहस, संघर्ष और स्वाभिमान से भरा रहा है, जिसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय संयोजक निषाद पार्टी और पूर्व सांसद प्रवीण निषाद ने कहा कि सांस्कृतिक प्रतीकों की स्थापना केवल धार्मिक कार्य नहीं है, बल्कि यह सामाजिक चेतना का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे स्थलों से नई पीढ़ी को अपने इतिहास, परंपरा और विरासत को समझने का अवसर मिलेगा।

सीताघाट पर बने इस मंदिर को लेकर क्षेत्र में खास उत्साह देखा गया। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया गया था।

मुख्य अतिथि ने बताया निषादराज और एकलव्य का महत्व

मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने निषादराज के गौरवशाली इतिहास और वीर एकलव्य के त्याग, अनुशासन और समर्पण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि निषादराज और वीर एकलव्य भारतीय संस्कृति के ऐसे प्रतीक हैं, जिनसे समाज को आत्मसम्मान और कर्तव्यबोध की प्रेरणा मिलती है। ऐसे मंदिरों की स्थापना से सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलती है।

फास्ट न्यूज

मकर संक्रांति पर खिचड़ी सहभोज का आयोजन

आलापुर (अम्बेडकर नगर)। विकास खंड जहांगीरगंज की ग्राम पंचायत दुबौली में मकर संक्रांति के अवसर पर खिचड़ी सहभोज और कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्राम प्रधान दुर्गावती पाठक ने किया, जबकि आयोजन की जिम्मेदारी प्रधान प्रतिनिधि संदीप पाठक ने संभाली। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही।

जायद-2026 में गन्ना किसानों को उर्द-मूंग के निःशुल्क बीज

अम्बेडकरनगर। जायद-2026 सीजन में गन्ना उत्पादक किसानों के लिए दलहनी फसलों की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में कृषि विभाग ने अहम पहल की है। राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित निःशुल्क दलहन/तिलहन बीज मिनीकिट वितरण एवं प्रसार कार्यक्रम के तहत जनपद के गन्ना उत्पादक किसानों को उर्द और मूंग के बीज निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। जिला कृषि अधिकारी अरविंद चौधरी ने बताया कि बसंतकालीन गन्ने की खेती करने वाले किसान यदि जायद-2026 में गन्ने के साथ उर्द या मूंग की अंतर-फसली खेती करना चाहते हैं, तो वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।

पूर्व तदर्थ प्रधानाचार्य पर 10.20 लाख रुपये गबन का आरोप

अंबेडकरनगर। बीएन इंटर कॉलेज, अकबरपुर के पूर्व तदर्थ प्रधानाचार्य विपिन सिंह पर विद्यालय के खातों से 10,20,648 रुपये के गबन का गंभीर आरोप सामने आया है। प्रबंधक कृष्ण कुमार टंडन ने विपिन सिंह को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि उक्त धनराशि तत्काल विद्यालय के खाते में जमा की जाए। प्रबंधक द्वारा 6 जनवरी और 12 जनवरी को दो बार पत्र जारी कर यह आदेश दिया गया।

वाहन चेकिंग अभियान और सड़क सुरक्षा माह में सक्रिय पुलिस प्रशासन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक के आदेश के तहत जनपद में वाहन चेकिंग अभियान और सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ करने के प्रयास लगातार जारी हैं। 01 अप्रैल 2025 से चलाए जा रहे सघन वाहन चेकिंग अभियान में अब तक 630 वाहनों का चालान किया जा चुका है। 03 वाहनों से 9500 रुपये शमन शुल्क वसूला गया, जबकि 19 वाहनों से 22,100 रुपये शमन शुल्क प्राप्त हुआ और 03 वाहन सीज किए गए।

01 जनवरी 2026 से नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान 525 वाहन चालकों की जांच की गई, जिनमें से 06 चालकों को नशे में वाहन चलाते हुए पाया गया। इन पर कुल 60,000 रुपये का शमन शुल्क आरोपित किया गया। यह अभियान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के आदेश के अनुसार 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक जनपद में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (जीरो फैटेलिटी माह) मनाया जा रहा है। इसी क्रम में 13 जनवरी को गांधी प्रतिमा शहजादपुर से तहसील तिराहा तक रैली निकाली गई। रैली में जल जीवन मिशन के कर्मचारी और अधिकारी, उपसम्भागीय परिवहन अधिकारी एवं प्रभारी यातायात की संयुक्त टीम ने भाग लिया। रैली में आम जनता को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया और सभी उपस्थित नागरिकों को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई। हेलमेट पहनने वालों को प्रोत्साहित करने के लिए चॉकलेट और पेन वितरित किए गए।

स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता

चौथे क्वार्टर फाइनल में आजमगढ़ की दमदार जीत, बक्सर 41 रन से पराजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में बीएन इंटर कॉलेज मैदान पर आयोजित स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बुधवार को आजमगढ़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बक्सर को 41 रन से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टूर्नामेंट के अंतिम क्वार्टर फाइनल मैच में मिली इस जीत के साथ अब आजमगढ़ का मुकाबला गुरुवार को बस्ती की टीम से होगा।

मैच की शुरुआत में आजमगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। निर्धारित 20 ओवरों के मुकाबले में आजमगढ़ की टीम ने संतुलित बल्लेबाजी का

प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। पारी के दौरान आजमगढ़ के बल्लेबाजों ने रन गति बनाए रखी और बक्सर के गेंदबाजों को वापसी का अधिक मौका नहीं दिया।

आजमगढ़ की ओर से सौरभ ने उत्कृष्ट बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 85 रन बनाए। उनकी पारी में संयम और आक्रामकता का संतुलित मिश्रण देखने को मिला। सौरभ ने महत्वपूर्ण मौकों पर चौके-छक्के लगाकर रन गति को तेज किया और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अन्य बल्लेबाजों ने भी उपयोगी योगदान दिया, जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बक्सर की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से बक्सर की रन गति प्रभावित हुई। पूरी टीम 20 ओवर में 135 रन ही बना सकी और उसके सभी 10 विकेट गिर गए। आजमगढ़ के गेंदबाजों ने अनुशासित लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए बक्सर के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

पुलिस अधीक्षक ने साइबर सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर की ऑनलाइन गोष्ठी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर समस्त क्षेत्राधिकारी, थानों के SHO/SO, साइबर हेल्प डेस्क और CCTNS कर्मियों के लिए बुधवार को गूगल मीट के माध्यम से एक विशेष ऑनलाइन गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में जिले में साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन अपराध नियंत्रण और थानों में कानून व्यवस्था की प्रभावी निगरानी को लेकर महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने साइबर अपराध के बढ़ते मामलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ती चुनौतियों पर चर्चा की। समस्त साइबर थाना कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्हें ऑनलाइन शिकायतों के त्वरित निस्तारण, डेटा सुरक्षा और नागरिकों को जागरूक करने के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि समस्त थानों में आम जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया

जाए। साथ ही, क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में अपराध की निगरानी और शीघ्र कार्रवाई पर विशेष ध्यान दें। गोष्ठी में CCTNS सिस्टम के माध्यम से मामले की त्वरित पंजीकरण और ट्रैकिंग की प्रक्रिया को भी सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस गोष्ठी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल माध्यम से सीधे संवाद का अवसर प्रदान किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस तरह की गोष्ठियों से सूचना का त्वरित आदान-प्रदान और निर्देशों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सकता है। साइबर हेल्प डेस्क कर्मियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फेक प्रोफाइल, हेट स्पीच और सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों की निगरानी बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया।

नगर की दीवारों पर उभर रही स्वच्छता की पेंटिंग, आरआरआर सेंटर बना अभियान का आधार

स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों में जुटी नगर पालिका अकबरपुर

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को लेकर नगर पालिका परिषद अकबरपुर ने तैयारियां तेज कर दी हैं। नगर को स्वच्छ, सुंदर और जागरूकता से भरपूर बनाने के उद्देश्य से नगर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सौंदर्यीकरण और स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और कॉलोनियों की दीवारों पर पेंटिंग कराई जा रही है, जिनमें स्वच्छता से जुड़े संदेश और आकर्षक आकृतियां उकेरी जा रही हैं। नगर पालिका परिषद अकबरपुर द्वारा किए जा रहे इन प्रयासों से नगर की छवि में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रमुख चौराहों, सरकारी भवनों के आसपास और भीड़भाड़ वाले इलाकों में कराई जा रही पेंटिंग्स न

सिर्फ नगर की सुंदरता बढ़ा रही हैं, बल्कि लोगों को स्वच्छता अपनाने का संदेश भी दे रही हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर पालिका द्वारा संचालित RRR सेंटर (रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल) भी अभियान का अहम हिस्सा बना हुआ है। इस सेंटर के माध्यम से पुराने और उपयोग में न आने वाले सामानों का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण किया जा रहा है। नगरवासियों को RRR सेंटर से जोड़कर कचरा प्रबंधन को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से स्वच्छता अभियान में जनभागीदारी को भी प्राथमिकता दी जा रही है। दीवारों पर लिखे जा रहे संदेशों के माध्यम से लोगों को घरों से ही कचरा अलग-अलग रखने, गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की अपील की जा रही है। नगर में चल रहे स्वच्छता और सौंदर्यीकरण कार्यों में नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश वर्मा की सक्रिय भूमिका सामने आ रही है। उनके निर्देशन में स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। वहीं प्रभारी अधिशासी अधिकारी विशाल सारस्वत के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम मैदान पर उतरकर कार्यों की नियमित निगरानी कर रही है।

> नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से नगरवासियों से अपील की जा रही है कि वे स्वच्छता अभियान में सहयोग करें, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाएं और आरआरआर सेंटर जैसे प्रयासों से जुड़कर नगर को स्वच्छ बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

पुरानी पेंटिंग्स को नया स्वरूप

नगर पालिका की ओर से पहले से बनी पेंटिंग्स, जो समय के साथ धुंधली या खराब हो चुकी थीं, उन्हें दोबारा रंग-रोगन कर नया रूप दिया जा रहा है। दीवारों पर स्वच्छ भारत अभियान, कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक मुक्त नगर और साफ-सफाई से संबंधित संदेशों को कलात्मक ढंग से दर्शाया जा रहा है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और नगर को दृश्य रूप से आकर्षक बनाना है।

मंगुरा डिला में आवारा कुत्तों का आतंक, दहशत में लोग

एक दर्जन से अधिक ग्रामीण घायल, दहशत में लोग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जलालपुर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत मंगुरा डिला गांव में आवारा कुत्तों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। गांव में खुलेआम घूम रहे आवारा कुत्तों ने एक ही गांव के एक दर्जन से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया। अचानक हुए हमलों से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में भय का माहौल है, जिसके चलते लोग घरों से बाहर निकलने से भी कतरा रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि हमले करने वाला कुत्ता पागल अवस्था में था और वह किसी को भी देखकर दौड़ पड़ता था। लोगों का आरोप है कि पहले भी गांव में आवारा कुत्तों की संख्या को लेकर शिकायतें की

गई थीं, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

लगातार हो रहे हमलों से आक्रोशित ग्रामीणों ने उस पागल कुत्ते को पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला। हालांकि इसके बाद भी गांव में अन्य आवारा कुत्ते घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की चिंता कम नहीं हुई है। लोगों का कहना है कि जब तक सभी आवारा कुत्तों को पकड़ा नहीं जाएगा, तब तक खतरा बना रहेगा।

अचानक हुए हमलों से गांव में अफरा-तफरी

ग्रामीणों के अनुसार गांव में एक आवारा कुत्ते ने अचानक लोगों पर हमला करना शुरू कर दिया। देखते ही देखते कई लोग उसकी चपेट में आ गए। कुत्ते के हमलों से गांव में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने बच्चों और बुजुर्गों को घरों में सुरक्षित रखने लगे। कई घरों में दिनभर दरवाजे बंद रहे। कुत्तों के हमले में घायल हुए ग्रामीणों को इलाज के लिए नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नागपुर में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार घायलों को एंटी रैबीज इंजेक्शन और प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। कुछ घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

उपकेन्द्र से लेकर जिला चिकित्सालय तक लोगों को निःशुल्क सुविधा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय कुमार शैवाल ने जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की। जनगणना 2011 के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 23,97,888 है। स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा उपकेन्द्र, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और संयुक्त जिला चिकित्सालय तक विस्तारित है। जनसंख्या के अनुसार प्रत्येक 5,000 लोगों पर एक उपकेन्द्र होना चाहिए। जनपद में 325 उपकेन्द्र स्थापित हैं, जिनमें 266 सीएचओ और एएनएम तैनात हैं। उपकेन्द्रों पर मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, पोषण, टीकाकरण, डायरिया नियंत्रण और संचारी रोगों की रोकथाम सहित 14 सामान्य जांच और ईडीएल के अनुसार 84 दवाएं उपलब्ध हैं। 30,000 की जनसंख्या पर एक

उपकेन्द्र एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर से शुरू होती व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र होना मानक है। जनपद में 30 ग्रामीण और 5 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित हैं। प्रत्येक केन्द्र पर एक चिकित्सक एवं पांच पैरामेडिकल स्टाफ तैनात हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 63 सामान्य जांच और ईडीएल के अनुसार 195 दवाएं उपलब्ध हैं। जनसंख्या 1,20,000 के लिए एक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र होना आवश्यक है। जनपद में कुल 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हैं, जिनमें अकबरपुर, जलालपुर भीटी, भियांव, रामनगर, जहाँगीरगंज, टाण्डा, बसखारी, कटेहरी, बेवाना और राजे सुल्तानपुर शामिल हैं।

समीक्षा : उच्चाधिकारियों ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, समयबद्ध और भव्य आयोजन के निर्देश

श्रवण धाम महोत्सव : 2026 की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। तहसील अकबरपुर क्षेत्र स्थित श्रवण क्षेत्र धाम में 18 से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले श्रवण धाम महोत्सव–2026 की तैयारियों का बुधवार को स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडे, जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला, पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर, मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला सहित जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। निरीक्षण का उद्देश्य महोत्सव की तैयारियों को समय से पूर्ण कर आयोजन को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और भव्य बनाना रहा। महोत्सव

परिसर में कराई जा रही रंगाई-पुताई, साफ-सफाई और सजावट कार्यों की प्रगति का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने आकर्षक प्रकाश व्यवस्था, सजावटी लाइटिंग और परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निकाय और संबंधित विभागों को निर्देशित किया। कहा गया कि आयोजन स्थल पर किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं दिखनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान दीपोत्सव, तमसा आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जुड़ी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने घाटों की साफ-सफाई, सुरक्षा इंतजाम और प्रकाश व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

> महोत्सव के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले सूचना एवं विकास स्टॉलों की प्रस्तावित व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही बच्चों और परिवारों के लिए लगाए जाने वाले झूलों और मनोरंजन साधनों की सुरक्षा और स्थान निर्धारण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मंच, आवागमन और बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महोत्सव में प्रस्तुति देने वाले विश्व विख्यात कलाकारों के लिए बनाए जा रहे भव्य मंच का जायजा लिया। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथियों और आम दर्शकों के लिए निर्धारित प्रवेश और निकास मार्ग, बैठने की व्यवस्था, बैरिकेडिंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मंच निर्माण और दर्शक दीर्घा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

सुरक्षा शपथ के साथ एनटीपीसी टांडा का 26वां स्थापना दिवस मनाया गया

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। एनटीपीसी टांडा में मंगलवार को 26वां स्थापना दिवस सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के संदेश के साथ मनाया गया। परिसर स्थित विश्वकर्मा पार्क में आयोजित कार्यक्रम में सामूहिक सेफ्टी पीप टॉक, सुरक्षा शपथ और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सुरक्षित कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अधिकारियों, कर्मचारियों, संविदाकारों और सीआईएसएफ के जवानों की व्यापक भागीदारी रही।

स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ एनटीपीसी गीत की प्रस्तुति के साथ किया गया। इसके बाद उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और संविदाकारों को सामूहिक रूप से सुरक्षा शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से सभी ने कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के पालन, सतर्कता और अनुशासन बनाए रखने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

सुरक्षित कार्य संस्कृति को मजबूत करने पर दिया गया जोर

कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एनटीपीसी की कार्य संस्कृति का मूल आधार है। दुर्घटना-मुक्त कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक कर्मचारी और संविदाकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी से अपील की कि कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरी निष्ठा से पालन किया जाए और किसी भी तरह की लापरवाही से बचा जाए। कार्यकारी निदेशक ने कहा कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल नियमों से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सोच और व्यवहार से बनता है।

सम्पादकीय

दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म, जल्दबाजी की नहीं थी जरूरत

यह अच्छा हुआ कि केंद्र सरकार ने क्विक कॉमर्स कंपनियों से दस मिनट में डिलीवरी की व्यवस्था खत्म करने को कहा और ये कंपनियां इसके लिए तैयार भी हो गईं। कुछ कंपनियों ने तो तत्काल प्रभाव से सामान की डिलीवरी दस मिनट में करने के वादे अपने विज्ञापनों से हटा भी लिए। इस जल्दबाजी की कोई आवश्यकता नहीं थी।

कंपनियां आपसी प्रतिस्पर्धा की होड़ में ऐसे वादे करने लगी थीं। इससे काम के बदले भुगतान आधारित तंत्र के तहत सेवाएं देने वाले गिग वर्करों की परेशानी बढ़ने के साथ उनकी सुरक्षा का भी जोखिम बढ़ गया था। हालांकि क्विक कॉमर्स कंपनियों का यह तर्क था कि गिग वर्करों को आम तौर पर तीन किमी के दायरे में ही सामान पहुंचाना होता है, लेकिन अपने देश में ट्रैफिक की स्थिति किसी से छिपी नहीं।

इसके अतिरिक्त कई बार डिलीवरी करने वालों को कॉलोनियों और बहुमंजिला भवनों के सुरक्षा गार्डों की पूछताछ का सामना करना पड़ता था। इसमें समय लगता था। निःसंदेह सरकार के ताजा फैसले से गिग वर्करों को राहत मिलेगी, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं। सरकार को यह भी देखना होगा कि इन असंगठित कामगारों की कार्यदशाएं बेहतर हों और उन्हें उचित पारिश्रमिक भी मिले।

इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में गिग वर्कर थोड़े समय बाद काम छोड़ देते हैं। इसका कारण लंबी ड्यूटी, प्रतिकूल माहौल और जितने समय काम, उतना ही पैसा जैसे प्रविधान हैं। इसी के चलते पिछले दिनों गिग वर्करों ने हड़ताल पर जाने का फैसला किया था। इसी के बाद वह नया लेबर कोड चर्चा में आया, जिसमें यह कहा गया है कि गिग वर्करों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उन्हें कुछ सुविधाएं भी प्रदान की जाएंगी।

आज जब क्विक कॉमर्स कंपनियों के साथ ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है और यह माना जा रहा है कि आने वाले समय में गिग वर्करों की संख्या में भारी वृद्धि होगी, तब फिर उनके हितों की चिंता करनी ही होगी। यह चिंता सरकार के साथ संबंधित कंपनियों को भी करनी होगी। उनका कारोबार गिग वर्करों के कारण ही बढ़ रहा है और वे मुनाफा भी कमा रही हैं। सच तो यह है कि असंगठित क्षेत्र के सभी कामगारों को सामाजिक सुरक्षा, बीमा, समय पर समुचित भुगतान आदि के दायरे में लाया जाना चाहिए।

यह तब संभव होगा, जब सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि उसकी ओर से किए जा रहे उपायों पर सही तरह अमल हो रहा है या नहीं? यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि निजी सुरक्षा गार्डों के हितों की रक्षा को लेकर जो नियम-कानून बनाए गए थे, वे कागजों पर ही अधिक प्रभावी हैं। यह सही समय है कि असंगठित क्षेत्र के हर कामगार की सुध ली जाए। इससे ही श्रमेव जयते का नारा सार्थक होगा।

वैश्विक राजनीति : आखिर अमेरिका को क्यों चाहिए ग्रीनलैंड

"बहरहाल, अमेरिका, चीन और रूस; तीनों की नजरें इसी बर्फीली धरती पर टिकी हैं। बाहर से शांत दिखने वाला ग्रीनलैंड असल में भविष्य की वैश्विक राजनीति का रणक्षेत्र है। यह द्वीप तय करेगा कि आने वाले दशकों में कौन सुपरपावर रहेगा।

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। क्षेत्रफल लगभग 21.7 लाख वर्ग किलोमीटर लेकिन आबादी सिर्फ 60 हजार के आसपास। यहां का 80 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका रहता है। न घने जंगल, न हाईवे, न चमकते शहर। कई महीनों तक सूरज डूबता नहीं और कई महीनों तक रात खत्म नहीं होती। देखने में शांत, ठंडा और वीरान लगने वाला यह द्वीप आज वैश्विक राजनीति के सबसे गर्म मोर्चों में बदल चुका है। वजह है- अमेरिका की पुरानी लेकिन अब खुली और आक्रामक चाहत। डोनाल्ड ट्रंप का संदेश बिल्कुल साफ है-ग्रीनलैंड चाहिए, हर हाल में चाहिए लेकिन सवाल यह है कि अमेरिका को इस बर्फीले, कम आबादी वाले द्वीप की इतनी ज़रूरत क्यों है और क्या अमरीका इसे हासिल कर पाएगा।

सामरिक महत्व

ग्रीनलैंड दुनिया के नक्शे पर ऐसी जगह स्थित है जो यूरोप, उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच सेतु जैसा काम करता है। उत्तर में आर्कटिक महासागर, पास ही रूस, नीचे यूरोप और पश्चिम में अमेरिका। मतलब साफ है-जो ग्रीनलैंड को कंट्रोल करता है, वह आर्कटिक का चौकीदार बन जाता है। आज युद्ध सिर्फ जमीन पर नहीं लड़े जाते। आसमान, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर स्पेस- हर मोर्चे पर मुकाबला है। ऐसे में ग्रीनलैंड जैसी लोकेशन सोने से भी ज्यादा कीमती हो जाती है। ग्रीनलैंड में अमेरिका पहले से मौजूद है। यहां स्थित थुले एयर बेस (अब पिटुफिक स्पेस बेस) अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम का अहम हिस्सा है। यहीं से अमेरिका रूस की बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर नजर रखता है, सैटेलाइट ट्रैक करता है, आर्कटिक क्षेत्र की निगरानी करता है। अगर अमेरिका को पूरा ग्रीनलैंड मिल जाता है तो वह आर्कटिक का फुल कंट्रोल सेंटर बन सकता है। रूस लगातार आर्कटिक में नए सैन्य ठिकाने, नई पनडुब्बियां, नए एयरबेस और नई मिसाइलें तैनात कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए ग्रीनलैंड रूस पर नजर रखने का वॉच टावर है।

दुर्लभ खनिज

आज की दुनिया मोबाइल, चिप्स, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल सिस्टम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर चल रही है। इन सबकी जान हैं- रेयर अर्थ एलिमेंट्स। बिना इनके आधुनिक तकनीक ठप हो जाती है लेकिन इन पर अभी चीन का दबदबा है। करीब 60–70 प्रतिशत सप्लाई चीन से आती है। अमेरिका इस निर्भरता से बाहर निकलना चाहता है और यहीं ग्रीनलैंड अहम हो जाता है। इस द्वीप की धरती के नीचे रेयर अर्थ मिनरल्स का बड़ा खजाना छिपा है। अगर अमेरिका को ग्रीनलैंड मिल जाता है, तो टेक्नोलॉजी की जंग में चीन को सीधी चुनौती मिल सकती है।

तेल, गैस और ऊर्जा सुरक्षा

दुनिया की ऊर्जा भूख खत्म नहीं हुई है। तेल और गैस अब भी वैश्विक राजनीति का ईंधन हैं। ग्रीनलैंड के आसपास समुद्र की गहराइयों में तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार होने की संभावना है। अभी बर्फ और मौसम खुदाई में रुकावट हैं लेकिन जैसे-जैसे आर्कटिक पिघल रहा है, ये संसाधन सुलभ होते जा रहे हैं। अमेरिका इसे भविष्य का ऊर्जा बैंक मानकर चल रहा है।

आर्कटिक सिल्क रोड

ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ पर्यावरण संकट नहीं, यह भू-राजनीतिक बदलाव भी है। आर्कटिक की बर्फ पिघलने से एशिया से यूरोप जाने के नए समुद्री रास्ते खुल रहे हैं। सफर हजारों किलोमीटर छोटा हो सकता है। इस रूट को कहा जा रहा है- आर्कटिक सिल्क रोड ग्रीनलैंड इस रास्ते का प्राकृतिक गेटवे है। जो इस रूट को कंट्रोल करेगा, वह वैश्विक व्यापार की दिशा तय करेगा। अमेरिका यह मौका हाथ से जाने नहीं देना चाहता।

चीन और रूस को रोकने की रणनीति

रूस आर्कटिक में सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन निवेश के जरिए पैर जमा रहा है। चीन खुद को नियर-आर्कटिक स्टेट कहता है, भले ही उसका आर्कटिक से सीधा भौगोलिक रिश्ता न हो। ग्रीनलैंड में चीन ने एयरपोर्ट, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की कोशिश की। अमेरिका को डर है कि अगर उसने ग्रीनलैंड पर पकड़ नहीं बनाई तो उसका उत्तरी दरवाजा दुश्मनों के लिए खुल जाएगा। इसलिए ग्रीनलैंड सिर्फ जमीन नहीं, रणनीतिक दीवार है।

अमेरिका की पुरानी चाहत

ग्रीनलैंड पर अमेरिका की नजर नई नहीं है। 1867, 1910, 1946; तीन बार अमेरिका ने डेनमार्क को ऑफर दिया। 1946 में तो 100 मिलियन डॉलर का सोना तक देने को तैयार था। हर बार जवाब मिला – ना लेकिन ट्रंप ने डिप्लोमेसी से आगे बढ़कर सीधी ज़िद पकड़ ली-अगर खरीदा नहीं जा सकता तो दबाव डालो।

डेनमार्क और ग्रीनलैंड का रुख

बता दें कि ग्रीनलैंड डेनमार्क का स्वायत्त क्षेत्र है। डेनमार्क का साफ संदेश है- ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है। ग्रीनलैंड की अपनी सरकार, अपनी संसद और अपनी पहचान है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे डरिक्सन ने अमेरिकी प्रस्ताव को बेतुका बताया। ग्रीनलैंड के नेताओं ने कहा-यह जमीन नहीं, हमारी आत्मा है। यूरोप के देशों ने भी डेनमार्क का समर्थन किया। ग्रीनलैंड बिकेगा, इसकी संभावना लगभग शून्य है क्योंकि आज दुनिया सिर्फ ताकत से नहीं, कानून, संप्रभुता और जनमत से चलती है लेकिन दबाव जारी रहेगा- कभी आर्थिक, कभी कूटनीतिक, कभी रणनीतिक।

-राजेश जैन

सनातन संस्कृति पर बुना षड्यंत्र : त्योहारों की तिथियों का अपहरण

पहले दीपावली के पहले 'नरक चतुर्दशी' कोई उत्सव मनाया जाने वाला दिवस न था। घरों की सफाई आदि के बाद दीवाली को घूर पर दिया जलाया जाता था ताकि वह भी नकारात्मक ऊर्जा से मुक्त हो जाए और तैयार खाद शुद्ध होकर खेतों में पहुँचे। इधर कुछ वर्षो से हिन्दू पर्व, त्योहार निर्धारित तिथि पर न मनाने की परम्परा सी चल पड़ी है। मुमकिन है कि इसके पीछे बाजार, कारोबारी हित तथा रोजगार पैदा करने की प्रत्याशा हो किन्तु यह पारम्परिक सनातन संस्कृति को विकृत करने का षड्यंत्र और कुचक्र अधिक जान पड़ता है। अयोध्या में दीपावली के पूर्व का 'दीपोत्सव' अनजाने या जान-बूझकर उपर्युक्त शंका की एक बड़ी साजिश लगती है। अब 15 जनवरी को मकर संक्रान्ति का अवकाश इसी की अगली कड़ी है। इसी तरह से पिछले दिनों, सालों में अनेक त्योहार बदली तिथियों में मनाये गये हैं। यह भारतीय सनातन संस्कृति और ब्राह्मणों के ज्ञान, विज्ञान एवं अनुसन्धान को खण्डित करने वाली प्रवृत्ति है। इसके पीछे अफसरशाही का एक तबका हो सकता है जो शिक्षा, सोच, समझ तथा संस्कार से न केवल गुलाम है बल्कि विकृत विदेशी संस्कृति का पिट्ठू और पोषक है।

सुनियोजित कुचक्र :

पारम्परिक हिन्दू पञ्चाङ्ग की तिथियों से त्योहारों को खींचकर बाजार की गोद में धकेलने की प्रवृत्ति सनातन धर्म की जड़ों को काटने का सुनियोजित कुचक्र है। नरक चतुर्दशी जो दीपावली से ठीक एक दिन पहले कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को मनायी जाती रही, अब पूर्व-दीपोत्सवों के बहाने विकृत हो रही है। यह केवल बाजारवाद नहीं अपितु इसके पीछे अफसरशाही के उस तबके का हाथ है जो विदेशी संस्कृति का दास बनकर स्वधर्म को खण्डित कर रहा है।

पारम्परिक महत्व की उपेक्षा :

'नरक चतुर्दशी' परम्परागत रूप से दीपावली की पूर्व सन्ध्या है जब भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया और घरों की सफाई के बाद नकारात्मक ऊर्जा नाश के लिए दीप जलाये जाते थे।

डॉ० मत्स्येन्द्र प्रभाकर

भारत के पैक्स सिलिका में...

कमलेश पांडेय

क्या पैक्स सिलिका में भारत को शामिल करने से अमेरिका को मिलेगा लाभ?

पैक्स सिलिका (Pax Silica) अमेरिका की अगुवाई वाली एक रणनीतिक तकनीकी पहल है जो सिलिकॉन-आधारित सप्लाई चेन को मजबूत करने पर केंद्रित है। यह एआई (AI), सेमीकंडक्टर और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निर्भरता कम करने का प्रयास करती है। यह नवीनतम अंतर्राष्ट्रीय पहल क्रिटिकल मिनरल्स, ऊर्जा संसाधनों, चिप निर्माण, एआई (AI) इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स की सुरक्षित सप्लाई चेन बनाती है। इसलिए अमेरिकी विदेश विभाग इसे ₹पॉजिटिव-सम₹ साझेदारी मानता है, जो चीन जैसी निर्भरताओं से बचाव करती है। इससे विश्वसनीय देशों में नवाचार और निवेश बढ़ता है। इस प्रकार पैक्स सिलिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में चीन के प्रभुत्व को कम करना और विश्वसनीय देशों के बीच सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है। चूंकि भारत के लिए इसका रणनीतिक महत्व है, इसलिए भारत को हाल ही में इसमें पूर्ण सदस्यता का न्योता मिला है, जो ग्लोबल चिप हब बनने का अवसर देगा। इससे जहां अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया जैसी कंपनियों से भारी निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और रोजगार सृजन होगा। वहीं रक्षा, अंतरिक्ष और सैन्य सुरक्षा में भी मजबूती मिलेगी। इसका प्रमुख

उद्देश्य है कि यह वैश्विक पहल महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, सेमीकंडक्टर, उन्नत विनिर्माण, एआई (AI) अवसंरचना और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में दबावपूर्ण निर्भरताओं को घटाती है। उच्च-तकनीकी संयुक्त उद्यमों और रणनीतिक सह-निवेश को बढ़ावा देकर नवाचार को प्रोत्साहित करती है। संवेदनशील प्रौद्योगिकियों को चिंताजनक देशों से बचाने का लक्ष्य रखती है। जहां तक इसकी संरचना की बात है तो अमेरिका इसके संस्थापक सदस्य के रूप में नेतृत्व करता है, जिसमें जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, यूएई और ऑस्ट्रेलिया जैसे समान विचारधारा वाले देश शामिल हैं। यह गठबंधन-आधारित मॉडल पर काम करती है, जो साझा निवेश और सहयोग पर जोर देती है। भारत को हाल ही में पूर्ण सदस्यता का निमंत्रण मिला है। जनवरी 2026 में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत को इसमें शामिल करने की घोषणा की। जबकि इससे पहले टैरिफ विवाद से भारत बाहर था, लेकिन अब यह साझेदारी भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊंचाई देगी।

पैक्स सिलिका में अमेरिका नेतृत्व करता है और इसमें जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। यह पहल विश्वसनीय साझेदार देशों को जोड़ती है ताकि सिलिकॉन सप्लाई चेन मजबूत हो। इसके मुख्य सदस्य देश निम्नलिखित हैं:- संस्थापक सदस्यः अमेरिका (नेतृत्वकर्ता), जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान। अन्य प्रमुख सदस्यः नीदरलैंड्स, यूनाइटेड किंगडम, इज़राइल, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया। मसलन, ये देश उच्च-तकनीकी विनिर्माण और AI क्षेत्रों में मजबूत क्षमता रखते हैं। इससे भारत को सेमीकंडक्टर और AI सप्लाई चेन में प्रमुख स्थान मिलेगा।

भारत के पैक्स सिलिका में शामिल होने से चीन पर मुख्य रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह पहल विशेषकर सिलिकॉन, सेमीकंडक्टर और एआई (AI) सप्लाई चेन में उसके एकाधिकार को चुनौती देगी। रूस पर अप्रत्यक्ष प्रभाव हो सकता है, लेकिन सीधा उल्लेख कम है। यह वैश्विक तकनीकी निर्भरता को पुनर्गठित करेगा। इसका चीन पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि चीन वर्तमान में महत्वपूर्ण खनिजों, ऊर्जा स्रोतों, चिप निर्माण और AI इंफ्रास्ट्रक्चर पर हावी है। लिहाजा पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत का प्रवेश उसके प्रभुत्व को कम करेगा, दबावयुक्त निर्भरता घटाएगा और वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाएगा। इससे चीन के निर्यात बाजार और तकनीकी वर्चस्व पर दबाव बढ़ेगा। जहां तक रूस पर प्रभाव की बात है तो रूस पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव का स्पष्ट उल्लेख नहीं मिला, लेकिन ट्रंप प्रशासन के रूसी तेल खरीद पर 500% टैरिफ जैसे कदमों से व्यापक आर्थिक दबाव जुड़ सकता है।

एकमुश्त...

वीरेन्द्र सिंह परिहार

क्या ममता हिन्दुओं की पक्षधर हो गई हैं ?

विधायक हुमायु कबीर को तृणमूल से निकाले जाने और उनके द्वारा मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में 6 दिसम्बर को बाबरी मस्जिद की नीव रखने और उसे मुसलमानों का भारी समर्थन मिलने के चलते ऐसा माना जाता है कि इस बार ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस का वोटबैंक यानी मुस्लिम मतदाता विभाजित हो जायेगा, खासकर उस स्थिति में जब हुमायु कबीर ने अपनी नई पार्टी बनाकर हैदराबादी भाईजान असदुद्दीन ओवैसी से गठजोड़ कर 90 विधानसभा पर लड़ने की बात कही है जबकि गत विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को बंगाल में मुस्लिमों का 70 प्रतिशत तक वोट मिला था पर अब यहाँ स्थिति यह है कि कुछ प्रतिशत वोट भी इधर-उधर होने पर तृणमूल कांग्रेस को भारी झटका लग सकता है। ऐसा माना जाता है कि गत चुनावों में ममता बनर्जी को जो मुसलमानों के एकमुश्त वोट मिलते थे, वह मार्च 2026 में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इस तरह से विभाजित हो जायेंगे कि अब मुस्लिम मतों के बल पर वह बंगाल की सत्ता में नहीं आ सकती। इसलिये अब उनकी नजर हिन्दू वोटो पर है। इसी के चलते वह सिलीगुड़ी में भव्य महाकाल मंदिर बनवा रही हैं तो कोलकाता में 2 करोड़ की लागत से दुर्गा आंगन बनवा रही है। इसे 2 लाख वर्गफीट में बनाया जायेगा और यह दुनिया का सबसे बड़ा दुर्गा आंगन होगा। खिरपुर जगन्नाथ मंदिर का उदघाटन कर चुकी है। इसके अलावा भी वह कई मंदिरों का शिलान्यास कर चुकी है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि वह मोदी सरकार द्वारा बनाये गये जिस वक्फ कानून को राज्य में लागू नहीं करने को अडिग दिख रही थी, उसी वक्फ कानून को अचानक राज्य में लागू कर दिया है। लोग इस बात को लेकर हैरान हैं कि जिस बंगाल में हनुमान जयंती, बसंत पंचमी की पूजा के लिये कोर्ट से अनुमति लेनी पड़ती थी, स्कूलों में साम्प्रदायिक कृत्य बताकर स्कूलों में सरस्वती पूजा पर रोक लगाई गई। मुर्हरम और दुर्गा विसर्जन एक साथ पड़ने पर दुर्गा प्रतिमा के विसर्जन पर रोक लग जाती थी। हकीकत यह कि आज ममता चाहे जितना हिन्दू पक्षधरता की बाते करें पर असलियत में उनकी मुस्लिम परस्ती के चलते बंगाल के सीमावर्ती दसों हजार गाँव हिन्दू विहीन हो गये क्योंकि बाग्लादेशी मुस्लिमों और रोहिग्या मुस्लिमों को बंगाल में आने की खुली छूट ही नहीं दी गई, उन्हें मतदाता भी बना दिया गया। ऐसी स्थिति में वहाँ पर ममता का यह नया अवतार कैसे ? क्या यह सिर्फ इसलिये कि अब ममता को लगने लगा है कि अब बंगाल के 70 प्रतिशत हिन्दू मतदाता ही उनकी चुनावी नैया को पार लगा सकत हैं। इसलिये यह हिन्दू पक्षधरता दिखाई जा रही है।

जरा हटके

चुनावी समय में ...

डा वीरेन्द्र भाटी मंगल

लोकतंत्र के लिए फेक न्यूज मौन लेकिन गहरा खतरा

लोकतंत्र की सफलता का आधार एक जागरूक, सूचित और विवेकशील नागरिक समाज होता है। जब नागरिक सही और तथ्यपरक जानकारी के आधार पर अपने विचार तथा निर्णय बनाते हैं, तब लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है किंतु वर्तमान डिजिटल युग में फेक न्यूज यानी झूठी और भ्रामक खबरें लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर सामने आई हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की तीव्रता ने असत्य को इस कदर फैलाया है कि कई बार सत्य उसकी चपेट में आ जाता है। फेक न्यूज केवल गलत सूचना भर नहीं होती बल्कि यह सुनियोजित ढंग से तैयार की गई ऐसी सामग्री भी हो सकती है जिसका उद्देश्य जनमत को प्रभावित करना, राजनीतिक लाभ लेना, सामाजिक विद्वेष फैलाना या आर्थिक फायदा उठाना होता है। आधी-अधूरी सूचनाएं, संदर्भ से काटे गए बयान, एडिट किए गए वीडियो और सनसनीखेज शीर्षक इसके सामान्य रूप हैं। समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब लोग बिना सत्यापन के ऐसी खबरों को आगे साझा कर देते हैं। लोकतंत्र पर फेक न्यूज का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव जनमत पर पड़ता है। चुनावी समय में फैलने वाली अफवाहें और झूठे प्रचार मतदाताओं की सोच को भ्रमित कर देते हैं। नागरिक सही मुद्दों के बजाय भावनात्मक और भ्रामक सूचनाओं के आधार पर निर्णय लेने लगते हैं जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग

जाता है। इसके अलावा, लगातार झूठी खबरों के कारण मीडिया, न्यायपालिका, प्रशासन और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास कमजोर होने लगता है, जो लोकतंत्र के लिए घातक है। फेक न्यूज सामाजिक ताने-बाने को भी गहरा नुकसान पहुंचाती है। धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के नाम पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाएं समाज में अविश्वास, तनाव और नफरत को जन्म देती हैं। कई बार यह स्थिति हिंसा तक पहुंच जाती है जिससे सामाजिक सौहार्द और शांति भंग होती है। इस प्रकार फेक न्यूज न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करती है बल्कि सामाजिक एकता को भी खतरे में डाल देती है। इस समस्या के पीछे कई कारण हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम सनसनीखेज और उत्तेजक सामग्री को तेजी से फैलाते हैं। डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण लोग खबरों के स्रोत और सत्यता की जांच नहीं कर पाते। राजनीतिक ध्रुवीकरण और वैचारिक कट्टरता भी झूठी खबरों के प्रसार को बढ़ावा देती है। इसके साथ ही, क्लिकबेट संस्कृति और विज्ञापन आधारित कमाई ने फेक न्यूज को एक लाभकारी उद्योग का रूप दे दिया है। लोकतंत्र में मीडिया को चैथा स्तंभ कहा जाता है और उसकी जिम्मेदारी सत्य को सामने लाने की होती है हालांकि प्रतिस्पर्धा और टीआरपी की दौड़ में कई बार मीडिया भी तथ्यों की अनदेखी कर देता है जिससे समस्या और गहराती है। ऐसे में मीडिया की नैतिक जिम्मेदारी और आत्मसंयम अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। फेक न्यूज से निपटने के लिए बहुआयामी प्रयासों की जरूरत है। डिजिटल साक्षरता को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा, ताकि नागरिक खबरों का विवेकपूर्ण विश्लेषण कर सकें। स्वतंत्र फैक्ट-चेकिंग संस्थाओं को प्रोत्साहन देना और उनकी पहुंच बढ़ाना आवश्यक है। साथ ही, संतुलित और स्पष्ट कानूनों के माध्यम से फेक न्यूज फैलाने वालों पर कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी सुरक्षित रहे। सोशल मीडिया कंपनियों की जवाबदेही तय करना और नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी समय की मांग है।

राष्ट्र की सुरक्षा, संप्रभुता और आत्मसम्मान की अडिग प्रहरी

भारत में प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य, अनुशासन, त्याग और राष्ट्र के प्रति उसकी अटूट निष्ठा को सम्मान देने का अवसर है। 15 जनवरी 1949 को स्वतंत्र भारत के पहले थल सेनाध्यक्ष जनरल के. एम. करियप्पा ने भारतीय सेना की कमान संभाली थी। उसी ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में यह दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। सेना दिवस केवल सैन्य परंपरा का उत्सव नहीं बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा में समर्पित लाखों सैनिकों के योगदान का सार्वजनिक स्वीकार है। भारतीय सेना देश की सीमाओं की रक्षा करने वाली सबसे विश्वसनीय और संगठित संस्थाओं में से एक है। उत्तर में हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानी क्षेत्रों और पूर्वोत्तर के दुर्गम पहाड़ी इलाकों तक, भारतीय सैनिक कठिनतम परिस्थितियों में तैनात रहते हैं। अत्यधिक ठंड, भीषण गर्मी, दुर्गम भौगोलिक स्थिति और निरंतर खतरे के बीच सैनिक पूरी सजगता और साहस के साथ राष्ट्र की रक्षा का दायित्व निभाते हैं। इन परिस्थितियों में भी उनका मनोबल और अनुशासन अनुकरणीय रहता है। भारतीय सेना का आदर्श वाक्य "सेवा परमो धर्मः" उसके चरित्र और कार्य संस्कृति को परिभाषित करता है। सेना में सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण का जीवनभर का संकल्प है। सैनिक अपने परिवार, सामाजिक जीवन और व्यक्तिगत सुखों को पीछे छोड़कर देश की सीमाओं पर तैनात रहते हैं ताकि देश का हर नागरिक सुरक्षित और निश्चित जीवन जी सके। सैनिकों का यह त्याग अक्सर मौन रहता है किंतु राष्ट्र की सुरक्षा में इसकी भूमिका अमूल्य है।

बाबूलाल नागा

टंड में चारों के शव अकड़ गए, हजारों की संख्या में भीड़ जुटी, तालाब के पास चप्पल और कपड़े मिले

2 भाई समेत 4 लड़के तालाब में डूबे

ये सभी मृतकों की फाइल फोटो।

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में दो सगे भाई समेत 4 लड़कों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मंगलवार शाम को चारों तालाब के पास खेल रहे थे। उसके बाद काफी देर तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने तलाश की। लेकिन, कुछ पता नहीं चला।

बुधवार सुबह जब परिवार वाले तालाब के पास पहुंचे तो चप्पल और कपड़े मिले। जाल डालकर सर्च कराया तो सभी के शव मिल गए। इसके बाद परिवारों में कोहराम मच गया। हादसा पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर के पास कुसुआ गांव में हुआ है।

मृतकों में 3 नाबालिग और एक 19 साल का लड़का है।

करन 11वीं में पढ़ता था। जबकि प्रतीक क्लास 4, प्रिंस क्लास 3 और प्रियांशु क्लास 3 में पढ़ता था। कक्षा 4 और प्रिंस कक्षा 3 में था, प्रियांशु भी कक्षा 3 में पढ़ता था।

एसीपी धूमनगंज अजयेंद्र यादव ने बताया- बच्चों के गायब होने की जानकारी पर पुलिस भी तलाश कर रही थी। सुबह 9:30 बजे के करीब तालाबनुमा गड्ढे के पास कपड़े दिखाई दिए। इसके बाद तालाब में जाल डलवाया गया। जिस पर चारों शव बरामद हुए। पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और इसके बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्रथमदृष्टया डूबने से मौत का मामला लग रहा है।

"पुलिस ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त मनौरी के हुसैनपुर के अहमदपुर पावन गांव के 19 साल के करन पुत्र राजेश सोनकर, 10 साल के प्रियांशु पुत्र संजीव और दो सगे भाई 10 साल का प्रिंस और 13 साल के प्रतीक के तौर पर हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

जाल डलवाया तब जाकर शव मिले

चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- जब कपड़े मिले तो हम लोगों ने गांव से जाल मंगवाया। जब गांव वालों ने जाल लगाया तो बच्चों की लाश मिली। इसमें करन सोनकर, प्रतीक, प्रिंस और प्रियांशु सोनकर का शव मिला। उन्होंने बताया- हम लोग 6 भाई है। इसमें सबसे छोटे भाई संदीप सोनकर की 2024 में मौत हो गई थी। घर में उनकी पत्नी और उनकी दो बेटियां और एक बेटा प्रियांशु था। इसमें प्रियांशु की डूबकर मौत हो गई है।

अवैध खनन के चलते बना गड्ढा

ग्रामीणों का कहना है कि मनोरी रेलवे स्टेशन के नए भवन के ठीक पीछे घटना हुई। गांव के बाहर जेसीबी से मिट्टी लगाकर खुदाई कराई गई है। इस वजह से वहां बड़ा गड्ढा हुआ था। इसी में पानी भर जाने से सभी बच्चे डूबे हैं।

चारों बच्चे शाम को साढ़े तीन बजे से लापता थे

चाचा रंजीत सोनकर ने बताया- मेरे चार भतीजे हैं। मंगलवार शाम को करीब साढ़े 3 बजे से गायब थे। उन्हें रात में 2 बजे तक खोजते रहे। गांव में भी खोजा। मेले में भी जाकर पता किया लेकिन कुछ पता नहीं चला। हमारे साथ गांव के लोग भी थे। जब कुछ पता नहीं चला तो घर आ गए। बुधवार सुबह फिर से उन्हें खोजने निकले। करीब 2 किलोमीटर दूर सुबह 9 से साढ़े 9 के बीच गांव के तालाब के पास कुछ कपड़े मिले और चप्पल मिले तो हम लोगों को शक हुआ।

गोरखपुर में बादशाह के गानों पर झूमे फैंस

गोरखपुर । गोरखपुर महोत्सव में मशहूर गायक और रैपर बादशाह पहुंचे। जैसे ही बादशाह ने मंच संभाला, पूरा माहौल पार्टी में बदल गया। उन्होंने अपने फैंस से कहा, "आज मिलकर साथ पार्टी करते हैं।" इसके बाद जैसे ही उन्होंने "रातें फरेबी, यादें फरेबी" गाना गाया, वहां मौजूद हजारों फैंस झूम उठे। मंच पर पहुंचते ही बादशाह ने देर से आने के लिए अपने फैंस से माफी मांगी। उन्होंने कहा, "अब आ गया हूं, अब पार्टी करते हैं।" इसके बाद उन्होंने अपने दिल की बात भी शेयर की। बादशाह ने बताया कि उनका असली नाम आदित्य है और वह खुद को कोई सुपरस्टार नहीं मानते। उन्होंने कहा कि उनके मां-बाप नहीं चाहते थे कि वह गाना गाने के लिए जाएं, लेकिन फैंस के प्यार ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें पहले नहीं पता था कि वह गोरखपुर से सिर्फ 150 किलोमीटर की दूरी पर हैं ।बादशाह की एंट्री के बाद फैंस का जोश देखने लायक था। लोग कुर्सियों पर खड़े होकर नाचने लगे, गमछा लहराया और जमकर डांस किया।

मुनाफा कमाने के चक्कर में कालीमिर्च व जीरा में मिलावट

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । जनपद में सूत्रों ने जानकारी दी कि बाजार में जीरे की कीमत क रुपए प्रति किलो तक है। ये लोग महज 100 या 120 प्रति किलो में जीरा बेच रहे तथा कालीमिर्च भी , यहीं से शक की सुई घूम रहीं। सूत्रों से पता चला कि जनपद के शहावपुर व जैदपुर में जीरा नकली है। अतः उसकी जांच होना आवश्यक हैं । सूत्र बता रह ेंकि देखने में बिल्कुल असली जीरे जैसा लगता है। पहचाना कठिन होता नकली जीरा को ..।

वैसे प्राप्त जानकारी से कि काली मिर्च कई चमत्कारी गुणों से युक्त होती है। इसकी पहचान करना आसान है। इसके लिए एक पानी भरे गिलास में काली मिर्च पाउडर डाल लें। अगर काली मिर्च गिलास के तली में जम जाती है तो काली मिर्च असली है नहीं तो वह पपीते का बीज है। ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में या तो असली मसालों में मिलावट करते हैं ं। यदि नकली जीरे की बिक्री की जानकारी आ आई हैं, जो फूल झाड़ू, पत्थर के पाउडर और गुड़ से बनाया जाता है और असली जीरे में मिलाकर बेचा जाता है, जिससे स्वास्थ्य को खतरा होता है तथा कालीमिर्च की भी चर्चा हैं । अवश्य ! इसलिए खाद्य विभाग द्वारा नकली जीरे के खिलाफ अभियान चलाया जाय और मिलावटखोरों पर निश्चिय कार्रवाई भी हों ।

मणिकर्णिका घाट तोड़ा भड़के लोग

बोले- बिना बताए अहिल्याबाई की मूर्ति हटाई, डीएम ने कहा- मूर्तियां संरक्षित की गईं

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी के मणिकर्णिका घाट को तोड़ा जा रहा है। यहां नए सिरे से घाट तैयार होगा, इसकी डिजाइन फाइनल है। मणिकर्णिका घाट को साल-1771 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने बनवाया था। फिर 1791 में उन्होंने ही इसका जीर्णोद्धार कराया था।

84 प्रमुख घाटों में शामिल है मणिकर्णिका

मणिकर्णिका काशी के 84 प्रमुख घाटों में शामिल है। यह देवी अहिल्याबाई होल्कर के बनाए 5 घाटों में से एक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी जगह पर भगवान विष्णु की मणि गिरी थी, जिससे इसका नाम मणिकर्णिका पड़ा।

बिना सूचना स्ट्रक्चर गिरा दिया

घाट पर बैठने वाले संजय मिश्रा ने कहा- हमारा परिवार इस मणि की देख-रेख करता है। लेकिन, प्रशासन ने बिना किसी सूचना के इसे गिरा दिया। इसमें अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति थी और एक शिवलिंग भी था।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर

पत्रांक 990/न.पा.प.टा./2025-26 दिनांकः 14/01/2026

अति अल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद, टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग / राज्य सरकार / केन्द्र सरकार / अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर राज्य वित्त आयोग मद के अन्तर्गत इस कार्यालय के पत्र संख्या 917/ न०पा०प०टा०/2025-26 दिनांक 01.01.2026 के द्वारा 01 निर्माण कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसमें पर्याप्त बिड प्राप्त न होने के कारण पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते पूर्ववत् रहेंगी। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1- कार्य का विवरण वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।

2- वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि दिनांक 16.01.2026 से दिनांक 22.01.2026 तक।

3- ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 22.01.2026 समय 12:00 बजे ।

4- ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय दिनांक 22.01.2026 समय अपरान्ह 02:00 बजे।

5- निविदा आमंत्रणकर्ता को आई०टी०बी० के क्लाज-9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि यह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।

6- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट https://www.tender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, टाण्डा
अम्बेडकरनगर

पूर्व राज्यपाल से जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ़ इंडिया की अहम वार्ता

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । प्राप्त जानकारी से , देशभर में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू कराने की मांग को लेकर जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ0 अनुराग सक्सेना ने हिमाचल प्रदेश एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल माननीय कलराज मिश्र जी से मुलाकात कर विस्तृत एवं सार्थक वार्ता की। इस बैठक में पत्रकारों के समक्ष उत्पन्न हो रही चुनौतियों, बढ़ती असुरक्षा, हमलों और फर्जी मामलों जैसे गंभीर विषयों पर गहन चर्चा की गई। वार्ता के दौरान डॉ0 अनुराग सक्सेना ने पत्रकार सुरक्षा कानून की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत करने के लिए पत्रकारों को कानूनी संरक्षण देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न हिस्सों में पत्रकार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए उत्पीड़न,

धमकी और हिंसा का सामना कर रहे हैं, जिससे निष्पक्ष पत्रकारिता प्रभावित हो रही है। माननीय कलराज मिश्र जी ने संगठन की मांगों को गंभीरता से सुना और पत्रकारों की भूमिका को लोकतंत्र की आधारशिला बताते हुए कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ़ इंडिया द्वारा उठाए गए इस महत्वपूर्ण मुद्दे को वे केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष पूरी मजबूती के साथ प्रस्तुत करेंगे। पूर्व राज्यपाल ने यह भी कहा कि पत्रकार सुरक्षा कानून समय की आवश्यकता है और इसे लागू कराने के लिए वे हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने संगठन के प्रयासों की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि पत्रकारों के हित में सकारात्मक निर्णय शीघ्र लिए जाएंगे।

रूसी नृत्य संध्या कला और संस्कृति ने जोड़ा भारत - रूस

साहिबाबाद। इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज (आईपीईसी) एवं रूसी सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में मॉडल कोरियोग्राफिक एन्सेम्बल "कज़ाच्ये रज़्दोल्ये" (रूस) द्वारा रूसी लोक नृत्य संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान आईपीईसी परिसर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक सौहार्द के रंगों में रंगा नजर आया, जब रूस से आए प्रसिद्ध नृत्य दल ने अपनी ऊर्जावान और मनोहारी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आईपीईसी के वाइस प्रेसिडेंट (इंटरनेशनल रिलेशंस) विभूति शंकर ने स्वागत संबोधन में संस्थान द्वारा आयोजित पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि आईपीईसी निरंतर वैश्विक सांस्कृतिक और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने रूस के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के पूर्व दौरे का भी स्मरण कराया, जो रूसी संघ के राष्ट्रपति श्री व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान संपन्न हुआ था।

रोटरी मथुरा सेंट्रल की नवीन कार्यकारिणी गठित

सोनल अध्यक्ष, आशुतोष अध्यक्ष निर्वाचित अंकुर उपाध्यक्ष और रोली बंसल सचिव

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। अंतरराष्ट्रीय सामाजिक संस्था रोटरी इंटरनेशनल से संबद्ध रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से कर लिया गया है। यह कार्यकारिणी रोटरी वर्ष 2026–27 के लिए गठित की गई है, जिसका संचालन आगामी जुलाई माह से प्रारंभ होगा। रोटरी क्लब मथुरा सेंट्रल मथुरा जनपद में अपने विविध सामाजिक, शैक्षिक एवं सेवा कार्यों के लिए विशेष पहचान रखता है। चुनाव अधिकारी सीए रोहित कपूर ने बताया कि क्लब की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी सभी पदों पर एकल नामांकन प्राप्त हुए, जिसके कारण किसी प्रकार के मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। सभी सदस्यों की सहमति से कुल तेरह सदस्यों की नई कार्यकारिणी निर्वाचित घोषित की गई, जो आगामी वर्ष में क्लब की गतिविधियों का नेतृत्व करेगी। नवगठित कार्यकारिणी में सोनल अग्रवाल को अध्यक्ष, डॉ. आशुतोष शुक्ला को अध्यक्ष निर्वाचित, अंकुर कुलश्रेष्ठ को उपाध्यक्ष तथा डॉ. रोली बंसल को सचिव चुना गया है। इसके अतिरिक्त नितिन मित्तल को संयुक्त सचिव, विवेक मित्तल को कोषाध्यक्ष तथा नितिन खंडेलवाल, नितिन भटनागर, अपूर्व अग्रवाल, श्वेता खंडेलवाल, आरती कपूर और प्रतिभा गर्ग को निदेशक नियुक्त किया गया है। शिखर अग्रवाल को सार्जेंट एट आर्म्स की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नई कार्यकारिणी के निर्वाचन पर पूर्व मंडल अध्यक्ष नीरव निवेश अग्रवाल, क्लब अध्यक्ष नरेश बर्मन, सचिव नेहा अग्रवाल, शरद अग्रवाल, रुचि अग्रवाल सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

बोले- मेरे आने से पहले पुलिस बिटिया को जबरन ले गई, सरकार क्या छिपाना चाह रही

कानपुर गैंगरेप पीड़िता के पिता से मिले अजय राय

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय बुधवार को अचानक कानपुर पहुंचे। सचेंडी में गैंगरेप पीड़िता के घर आए। यहां पीड़िता के पिता से बात की। उन्हें पिता के कंधे पर हाथ रखकर भरोसा दिया कि कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है।

अजय राय ने कहा- 14 साल की लड़की के साथ एक दरोगा ने रेप किया। उसके बाद पुलिस ने आरोपी दरोगा को भागने का मौका दिया।

पुलिस का आदमी है, कहां भाग कर जाएगा। पुलिस ही आरोपी दरोगा को बचा रही है। पुलिस ने हमारे आने से पहले पीड़ित बिटिया को हटा दिया। पुलिस जबरदस्ती बिटिया को ले गई। कहीं बिठा रखा है। सरकार क्या छिपाना चाह रही है। उधर, पिता ने कहा कि सुबह करीब 9 बजे थाने से पुलिस आई। कोर्ट में बयान कराने कि बात कहकर बिटिया को लेकर गई। उसका भाई भी साथ में गया। अजय राय ने कहा- केवल दिखावे के लिए आरोपी पर इनाम घोषित किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ये रक्षक अब पूरी तरह भक्षक बन गए हैं। योगी सरकार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है।

अजय राय बोले- पीड़ित परिवार को सरकार 50 लाख दे

अजय राय ने कहा- सोचिए, आज प्रदेश की कानून व्यवस्था कहां चली गई है। इस पीड़ित परिवार का मकान आप देख लीजिए, न घर है, न खेत है। गांव में न सड़क है, न बिजली है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि पीड़ित परिवार को 50 लाख मुआवजा दिया जाए। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। पीड़िता का घर बनवाया जाए। जमीन दी जाए।

कांग्रेस कार्यकर्ता भी अजय राय के साथ मौजूद रहे। ये सभी लोग सचेंडी में पीड़िता के घर पहुंचे थे।

दरोगा की चिट्ठी पर बरसे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

आरोपी दरोगा अमित कुमार मौर्य ने मुख्यमंत्री और कानपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर CBI जांच की मांग की है। इस पर अजय राय ने कहा- जब आरोपी खुद इस मामले में सफाई दे रहा है, तो इससे साफ है कि सरकार और प्रशासन उसे बचाने में लगे हैं। फिलहाल पीड़िता को पुलिस घर से लेकर गई है। पीड़िता का भाई घर पर मौजूद नहीं है, जबकि पिता घर पर ही मौजूद हैं।

बैठने को स्टूल ले रहा था तभी मौत आ गई

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । एक युवक की चाय की दुकान पर बैठने के लिए स्टूल लेने झुका और मौत आ गई जिसका वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।वीडियो में बातचीत के दौरान वह पास रखे स्टूल को उठाने के लिए झुका और अचानक लुढ़ककर गिर पड़ा। वहीं खड़ी एक महिला ने उसे संभालने की कोशिश की लेकिन देखते ही देखते 10 सेकेंड के भीतर उसकी मौत हो गई। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह घटना सोमवार सुबह गोवर्धन चौराहे की बताई जा रही है। डॉक्टर्स के अनुसार, मौत की वजह हार्ट अटैक है। मृतक की पहचान कृष्णानगर के राधा नगर पुलिया के पास रहने वाले देवकीनंदन के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह

गोवर्धन चौराहे पर स्थित एक अस्पताल में सर्दी का इलाज कराने आए थे। डॉक्टर से चेकअप कराने के बाद वह चाय पीने के लिए पास की दुकान पर गए थे। मिली जानकारी के अनुसार चाय विक्रेता आनंद ने बताया कि एक व्यक्ति अस्पताल की ओर से आया था। स्टॉल पर आकर चाय बनाने का ऑर्डर दिया था और उसने बैठने के लिए स्टूल लेने के लिए झुका तभी अचानक वह गिर पड़ा और मौत हो गई।

फास्ट न्यूज

कानपुर गैंगरेप पीड़िता के भाई को धमकाने वाला अरेस्ट

कानपुर । कानपुर में गैंगरेप पीड़िता के भाई को धमकाने वाले अमित त्रिवेदी को पुलिस सीतापुर से शहर लेकर देर रात पहुंची। शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने सोशल मीडिया पर पीड़िता के भाई के बयान का वीडियो और दरोगा के लेटर पढ़ा था। वायरल लेटर पढ़ने के बाद उसे दरोगा सही लगा, वो निर्दोष है। इस पर मैंने पीड़िता के भाई के नंबर पर मैसेज कर दिया।

अब एसी हॉल में होंगी आरएसएस के स्वयंसेवकों की बैठकें

आगरा । आगरा में स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) का ब्रजप्रांत कार्यालय 49 साल बाद नये रंग-रूप में तैयार है। एंट्री गेट से लेकर अंदर तक फाइव स्टार होटल जैसी सुविधाएं और साज-सज्जा। ब्रज और राजस्थानी शैली के आर्केटेक्चर पर बनी 5 मंजिला बिल्डिंग...चमचमाता फर्श...आधुनिक किचिन...लिफ्ट...कदम रखते ही सीढ़ियों और हॉल की ऑन होती लाइट...पूरे कैंपस में वाई फाई की सुविधा। इतना ही नहीं, संघ के स्वयंसेवकों की बैठक के लिए तीन AC हॉल। जयपुर हाउस स्थित ब्रज प्रांत का यह कार्यालय 1000 वर्गगज में फैला है।

सतुआ बाबा की सुपरकार, 4.40 करोड़ की पोर्शे

प्रयागराज। माघ मेले में सबसे ज्यादा चर्चा में सतुआ बाबा हैं। अपने शाही ठाठ बाट और लग्जरी गाड़ियों के शौक के लिए जाने जाने वाले सतुआ बाबा मेले में कभी ठेले तो कभी ऊंट की सवारी करते नजर आए। अब बाबा अपनी नई सुपर कार के लिए चर्चा में हैं। उन्होंने 3 करोड़ की लैंड रोवर डिफेंडर छोड़कर स्पोर्ट्स कार पोर्शे टर्बो 911 ले ली है।

बहन की सगाई के दिन मकान टूटा प्रधान समेत पांच मकान तोड़े गए

27 बीघा सरकारी जमीन खाली होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

संभल । संभल में सरकारी जमीनों को खाली कराने के लिए एक बार फिर बुलडोजर चले। बिछौली गांव में करीब 27 बीघा सरकारी जमीन से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। बुधवार को 4 कानूनगो, 20 लेखपाल और एक नायब तहसीलदार की टीम पहुंची। उनके पीछे-पीछे दो बुलडोजर भी आए। मकानों की पैमाइश के बाद बुलडोजर चलने शुरू हुए।

सबसे पहले गांव के प्रधान अतीक का घर तोड़ा गया। इसके बाद एक-एक कर 5 घरों पर बुलडोजर चला, यह जगह करीब 745 वर्गमीटर है। एक ऐसे घर को भी जमींदोज किया गया, जिसके परिवार में आज ही सगाई का कार्यक्रम था। मकान में रहने वाले युवक ने बताया- आज मेरी चचेरी बहन की मंगनी थी। हम लोग तैयार होकर जा रहे थे। आज ही हमारा घर

तोड़ने बुलडोजर पहुंच गया। गांव के कुछ दलाल इस काम में आगे चल रहे हैं। एक्शन के दौरान गांव के चारों तरफ 15 जगहों पर पुलिस फोर्स के साथ RAF की एक कंपनी तैनात की गई। राजस्व विभाग की टीम ने लोगों से मकान खाली करने को कहा। कुछ ने विरोध किया, तो पुलिस ने समझाकर शांत कराया। बाद में लोग मकानों से सामान बाहर निकालने लगे। छत पर रखी पानी की टंकी भी उतारकर नीचे ले आए। जिस जमीन से अवैध कब्जे हटाए जा रहे, उनमें 12 बीघा जानवरों के चरने के लिए छोड़ी गई जमीन, 8 बीघा बाग, साढ़े चार बीघा खाद के गड्ढे की जमीन, सवा बीघा खेल का मैदान, आधा बीघा स्कूल की जमीन और आधा बीघा पंचायत घर की जमीन शामिल है। इससे पहले गांव सलेमपुर सलार उर्फ हाजीपुर और राया बुजुर्ग गांव में सरकारी जमीन पर अवैध मकानों को बुलडोजर से गिराया गया था।

आज के बुलडोजर एक्शन में गांव बिछौली के रहने वाले ग्राम प्रधान अतीक के 285 वर्गमीटर में बने मकान तोड़ा गया। उसके बाद अफलातून का 150 वर्गमीटर,भूरा का 150 वर्गमीटर, सज्जाद का 80 वर्गमीटर और शाने आलम का 30 वर्गमीटर में बना मकान तोड़ा गया।

अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करते हुए विभागीय रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए

लोनिवि, सेतु निगम के देरी से शुरू हुए कार्यों की होगी जांच

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में बुधवार को कलक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और निर्माण कार्यों से संबंधित एक बैठक आयोजित हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने लोनिवि और सेतु निर्माण निगम द्वारा कार्यों में देरी और उनकी गुणवत्ता की जांच के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी को निर्देश दिए कि एसडीएम धामपुर की अध्यक्षता में तकनीकी अधिकारियों की एक टीम गठित की जाए। यह टीम लोनिवि और सेतु निर्माण निगम द्वारा विलंब से शुरू किए गए कार्यों के कारणों और उनकी गुणवत्ता की जांच करेगी। इसके अतिरिक्त, टीम

को इन दोनों विभागों से सेतु निर्माण के लिए शासन द्वारा स्वीकृत कार्य के आदेश पत्र प्राप्त कर जिलाधिकारी को उपलब्ध कराने को भी कहा गया है। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर उपायुक्त एनआरएलएम और उपायुक्त उद्योग विभाग की योजनाओं को 'डी' रैंक मिलने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करते हुए विभागीय रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए। उद्योग विभाग की लगातार कम रैंक पर नाराजगी जताते हुए, जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) सहित अन्य बिंदुओं पर रैंक सुधारने के लिए अपने उच्च अधिकारियों से बात करने का निर्देश दिया, ताकि सीएम डैशबोर्ड पर अपेक्षित सुधार लाया जा सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को अपने-अपने विभागों की योजनाओं में निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करने और सीएम डैशबोर्ड पर शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिले को सीएम डैशबोर्ड पर शीर्ष दस जिलों में लाने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया।

विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को प्रतिदिन सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करने और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड को गंभीरता से लिया जाए और फीड किए जा रहे डेटा की गहनता से जांच की जाए, क्योंकि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव द्वारा इसकी समीक्षा की जाती है। इस दौरान उन्होंने बताया कि शासन स्तर पर ई-ऑफिस प्रणाली की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।

दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार तीन अन्य फरार, पुलिस टीम तलाश में जुटी

जज के आवास पर हुई चोरी का खुलासा लाखों के जेवर बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर पुलिस ने प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड के आवास में हुई चोरी का खुलासा कर दिया है। इस मामले में कोतवाली शहर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरी किए गए लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी और अन्य सामान बरामद किया है। हालांकि, इस चोरी में शामिल तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। यह घटना 30 दिसंबर को बिजनौर की प्रधान मजिस्ट्रेट, किशोर न्याय बोर्ड, स्वाति वर्मा के आवास विकास कॉलोनी स्थित सरकारी आवास पर

हुई थी। अज्ञात चोरों ने उनके घर से लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया था। इस संबंध में 1 जनवरी को कोतवाली शहर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। कोतवाली शहर पुलिस और सर्विलांस /एसओजी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए इस चोरी का सफल अनावरण किया। पुलिस ने मनोज वर्मा (निवासी सम्भा बाजार), कीर्ति वर्मा (निवासी कांशीराम कॉलोनी, हाल ऋषिकेश) और रीता (निवासी धामपुर, हाल देहरादून) को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार महिला कीर्ति वर्मा ने बताया कि चोरी का सामान उसे उसके मित्र सोनू शर्मा ने दिया था। उसने यह भी बताया कि चोरी की वारदात में सोनू शर्मा और उसके दोस्त घनश्याम शामिल थे। अभियुक्तों ने चोरी का कुछ सामान अलग-अलग जगहों पर छिपा दिया था और शेष को बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो कंगन, दो सोने की चेन, अंगूठियां, गिन्नी, कान की बाली, एक एलसीडी टीवी, नकदी, कपड़े, बैग और अन्य घरेलू सामान बरामद किया है। इस मामले में सोनू शर्मा, घनश्याम सिंह और सुरेश अभी भी फरार चल रहे हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

सीओ सिटी संग्राम सिंह का कहना है कि जज के आवास पर हुई चोरी के मामले में दो महिला सहित तीन को गिरफ्तार कर लिया गया है गिरफ्तार अभियुक्त के पास से चोरी गया अधिकांश सामान बरामद कर लिया गया है मुख्य आरोपी सोनू शर्मा व उसका दोस्त घनश्याम जेल में बंद है अन्य वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

तहसील प्रशासन मुर्दाबाद 'हाय हाय' के लगे गगन भेदी नारे

अवैध खनन पर किसानों का हल्लाबोल तहसील परिसर बना रणक्षेत्र

- कार्रवाई का आश्वासन मिलने पर धरना समाप्त अवैध गतिविधियों पर नहीं लगा लगाम तो छिड़ेगा आंदोलन

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। नजीबाबाद तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहे अवैध खनन को लेकर तहसील परिसर उस वक्त उबाल पर आ गया, जब भारतीय किसान यूनियन के सैकड़ों किसान धरने पर बैठ गए। ₹खनन माफियाओं को बंद करो₹, ₹किसानों का हक दो₹, ₹तहसीलदार हाय-हाय₹ और ₹तहसील प्रशासन मुर्दाबाद₹ जैसे गगनभेदी नारों से पूरा तहसील परिसर गूंज उठा। कुछ देर के लिए माहौल पूरी तरह तनावपूर्ण हो गया। किसानों का आरोप था कि अवैध खनन से खेत, सड़कें और पर्यावरण बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं, लेकिन प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। इसी नाराजगी में किसानों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरने की सूचना मिलते ही तहसील प्रशासन में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने किसानों को आश्वासन दिया कि अब क्षेत्र में अवैध खनन किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। साथ ही नजीबाबाद में चल रही अन्य अवैध गतिविधियों पर भी सख्त कार्रवाई होगी, जिसमें होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर कार्रवाई शामिल है। आश्वासन के बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया। धरने की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी रोहितास सिंह ने की, जबकि संचालन व्यापार मंडल जिला अध्यक्ष रामोद कुमार ने किया। मंच से चेतावनी दी गई कि यदि दोबारा अवैध खनन शुरू हुआ तो किसान बड़ा आंदोलन छेड़ेंगे। अब सवाल यह है कि प्रशासन अपने वादों पर कितना अमल करता है या फिर अवैध खनन का खेल फिर से शुरू होगा।

पृष्ठ 01 का शेष...

गरजा ईरान...

अंग्रेजी अखबार द गार्डियन के मुताबिक, शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ सुरक्षा बलों के शव भी शामिल होंगे। ये कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में हो सकता है।

प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अब तक 2,550 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 2,403 प्रदर्शनकारी और 147 सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं।

हालांकि ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देशभर में कम से कम 12 हजार लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं।

ईरान में 26 साल के प्रदर्शनकारी इरफान सुलतानी को आज फांसी दी जा सकती है। द गार्डियन के मुताबिक उन्हें 8 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। 11 जनवरी को उन्हें मौत की सजा सुनाई गई। उन पर हिंसा भड़काने और 'ईश्वर के खिलाफ जंग छेड़ने' जैसा आरोप लगाया गया। इस मामले में आगे कोई ट्रायल नहीं होगा, परिवार को सिर्फ 10 मिनट के लिए आखिरी मुलाकात का मौका मिलेगा।

ट्रम्प के टैरिफ पर...

इस पूरे विवाद के केंद्र में एक कानून है, जिसका नाम इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) है। यह कानून 1977 में बनाया गया था।

इसका मकसद यह था कि अगर देश पर कोई गंभीर खतरा जैसे युद्ध जैसी स्थिति, विदेशी दुश्मन से बड़ा आर्थिक खतरा या असाधारण अंतरराष्ट्रीय संकट आए तो राष्ट्रपति को कुछ खास शक्तियां दी जा सकें।

इन शक्तियों के तहत राष्ट्रपति विदेशी लेन-देन पर रोक लगा सकता है, उन्हें नियंत्रित कर सकता है या कुछ आर्थिक फैसले तुरंत लागू कर सकता है। ट्रम्प ने टैरिफ लगाने के लिए IEEPA का ही सहारा लिया था।

अब कोर्ट यह देखेगी कि क्या राष्ट्रपति को इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (IEEPA) के तहत इतने बड़े टैरिफ लगाने का अधिकार है या नहीं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक आज सुप्रीम कोर्ट तय करेगी कि क्या राष्ट्रपति अकेले IEEPA के तहत इतने बड़े और लंबे समय तक चलने वाले टैरिफ लगा सकता है या इसके लिए अमेरिकी संसद की मंजूरी जरूरी है। अगर कोर्ट यह मान लेती है कि IEEPA के तहत इतने बड़े टैरिफ लगाना राष्ट्रपति के अधिकार में नहीं आता, तो ट्रम्प के फैसले रद्द हो सकते हैं और भविष्य में किसी भी राष्ट्रपति की आपातकालीन आर्थिक शक्तियां सीमित हो जाएंगी।

ट्रम्प ने राष्ट्रीय सुरक्षा...

ट्रम्प के मुताबिक, यह पैसा अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है और देश को विदेशी निर्भरता से बचाता है, इसलिए इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देखना सही है। अब इसी फैसले को चुनौती दी गई है और इस पर सुप्रीम कोर्ट फैसला सुनाने वाली है। अदालत यह तय करेगी कि राष्ट्रपति ने जो टैरिफ लगाए, क्या उनके पास ऐसा करने का कानूनी अधिकार था या नहीं।

केंद्रीय राज्यमंत्री के...

मोदी ने कहा कि पोंगल का त्योहार हमें प्रकृति, परिवार और समाज के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने का महत्व सिखाता है। जमीन और सूरज के प्रति हमारी कृतज्ञता दिखाता है।

तमिल संस्कृति में पोंगल बहुत खुशी का मौका होता है। यह हमारे किसानों की कड़ी मेहनत का जश्न मनाता है। इसलिए हमारा लक्ष्य ये होना चाहिए कि हमारी थाली भी भरी रहे, हमारी जेब भी भरी रहे और हमारी धरती भी सुरक्षित रहे।

बीते एक साल में तमिल संस्कृति से जुड़े कई कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिला, जो बेहद सुखद अनुभव रहा। गंगईकोंड चोलपुरम के 1000 साल पुराने मंदिर में दर्शन का सौभाग्य मिला।

काशी तमिल संगमम (वाराणसी) में तमिल संस्कृति की जीवंत परंपराओं को करीब से देखा। रामेश्वरम में पंबन ब्रिज के उद्घाटन के दौरान तमिल विरासत की समृद्धि और महानता का अनुभव हुआ।

पोंगल हमें सिखाता है कि कृतज्ञता सिर्फ शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि जीवन का हिस्सा बने। धरती हमें जो देती है, उसकी रक्षा और सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है।

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन...

दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी।

ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला यह दुर्घटना नाखोन राचासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे के वक्त ट्रेन राजधानी बैंकॉक से उबोन राचाथानी जा रही थी। क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिरा, जिनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा लोग सवार थे। इन्हीं डिब्बों में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। न्यूज वेबसाइट 'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई।

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन...

स्थानीय लोग और परिवार इस दुखद घटना से सदमे में हैं।

यूपी सिपाही....

ईडी की जांच में सामने आया कि रवि अत्री और सुभाष प्रकाश इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड थे। इन्होंने अपने सहयोगियों की मदद से UP पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 और RO/ARO परीक्षा-2023 के प्रश्नपत्र लीक किए और पूरे रैकेट को ऑपरेट किया। ईडी ने यह जांच उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज की गई FIR के आधार पर शुरू की थी। ये FIR भारतीय दंड संहिता, उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम-1998 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000 की धाराओं के तहत दर्ज की गई थीं। इस मामले में 19 नवंबर 2024 को ईडी ने मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया था। इसके बाद लगातार वित्तीय लेन-देन और संपत्तियों की जांच की गई, जिसके आधार पर अब पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

माघ मेला में लगातार...

आग लगने के पीछे शार्ट सर्किट वजह बताई गई थी। माघ मेला क्षेत्र से मुख्य अग्निशमन अधिकारी अनिमेष सिंह ने बताया कि आज शिविर में रखे दीये से आग भड़क गई। तेजी से आग पर काबू पाया गया है। 2 बड़े शिविरों में आग भड़क गई थी।

लोअर मार्ग पर आग लगने के बाद लोगों को डायवर्ट किया जा रहा है। पुलिस ने उस एरिया को सील कर दिया है। सुरक्षा के इंतजाम किए जा रहे हैं।

नारायण धाम शिविर में 15 टेंट थे। इनमें 50 से ज्यादा कल्पवासी थे। आग भड़कने के बाद शिविर के अंदर धुआं भरने लगा। इसके बाद अचानक हल्ला मचा और लोग बाहर की तरफ भागे।

यहां तैनात पुलिस वालों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। 10 मिनट के अंदर 1-1 करके 5 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंच गईं। नारायण धाम का मुख्य शिविर पूरी तरह से जल चुका था। सभी टेंट भी जल गए। कल्पवासियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आसपास की करीब 20 दुकानें जल गईं।

'ग्रीनलैंड पर कब्जे...

दरअसल डेनमार्क की पीएम ने कुछ दिन पहले कहा था कि अमेरिका ने जबरदस्ती ग्रीनलैंड पर कब्जा किया तो NATO टूट सकता है।

ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने कहा है कि अगर ग्रीनलैंड को अमेरिका और डेनमार्क में से किसी एक को चुनना पड़े, तो वह डेनमार्क को चुनेगा। उन्होंने यह बयान ऐसे वक्त पर दिया जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकी दे रहे हैं।

नीलसन ने 13 जनवरी को डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कही।

रोहित शर्मा, आईसीसी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर फिसले, टॉप-10 में 4 भारतीय बैटर

विराट कोहली पांच साल बाद नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने

नई दिल्ली। दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली 5 साल बाद ICC वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस पोजिशन से भारत के ही रोहित शर्मा को बेदखल किया। बुधवार को जारी रैंकिंग में रोहित अब नंबर-3 वनडे बल्लेबाज हैं। उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है।

गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के मोहम्मद सिराज ने कमाल किया और 5 स्थान की छलांग लगाते हुए 15वें पायदान पर पहुंच गए। उनके साथ इस स्थान पर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज भी मौजूद हैं। वहीं, अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान टॉप बॉलर हैं। फिर आया 2017 का साल, जब कोहली ने आखिरकार डिविलियर्स को दूसरे नंबर पर धकेलते हुए नंबर-1 रैंक हासिल कर ली. इसके बाद तो लगातार 4 साल तक 'किंग कोहली' का जलवा रहा, जहां उन्होंने 2018 में अपनी सबसे ऊंची रेटिंग, 909, भी हासिल की. ये 21वीं सदी में किसी भी बल्लेबाज की इस फॉर्मेट में सबसे ऊंची रेटिंग है. कोहली करीब 1500 दिनों तक रैंकिं में नंबर-1 रैंक पर कायम रहे. फिर 14 अप्रैल को उनसे ये रैंकिंग छिन गई और अब करीब पौने-5 साल बाद वो फिर अपनी राजगद्दी पर लौटने वाले हैं।

विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन की पारी खेली थी, इसका उन्हें सीधा फायदा मिला। उनके अब 785 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। विराट अप्रैल 2021 के बाद पहली बार और ओवरऑल अपने करियर में 11वीं बार नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने हैं। पिछले हफ्ते वे नंबर-2 पर थे।

रोहित तीसरे स्थान पर पहुंचे

इस बीच न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को भी एक स्थान का फायदा मिला है। वे अब 784 की रेटिंग के साथ नंबर दो पर हैं। यानी पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच केवल एक ही रेटिंग अंक का अंतर है। इससे पहले रोहित शर्मा टॉप पर थे, लेकिन अब नीचे आ गए हैं। रोहित शर्मा सीधे दो स्थान के नुकसान के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। रोहित शर्मा ने साल का पहला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। इसमें उनके बल्ले से 29 बॉल पर 26 रन की पारी आई थी। रोहित शर्मा की रेटिंग अब 775 की हो गई है। जो पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज से काफी नीचे हैं।

लोहिया नगर में मिली सीवर ओवरफ्लो की समस्या से राहत

मेरठ विकास प्राधिकरण ने हटाया अतिक्रमण

मेड़ा के सहायक अभियंता मनीष तिवारी की स्थानीय लोगों ने की प्रशंसा

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ के लोहिया नगर स्थित एल-ब्लॉक, सत्यकाम इंटरनेशनल स्कूल के मुख्य मार्ग पर पिछले करीब 10 दिनों से नाली का पानी बाहर आने और सीवर ओवरफ्लो होने के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सड़क पर लगातार गंदा पानी बहने से आवागमन बाधित हो रहा था, दुर्गंध फैल रही थी और क्षेत्र में संक्रमण का खतरा भी बढ़ गया था। स्थानीय लोगों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मेरठ विकास प्राधिकरण (मेड़ा) ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर कार्रवाई की। मेरठ विकास प्राधिकरण की टीम ने प्रवर्तन दस्ते के सहयोग से नाले पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान लोगों के घरों के बाहर बनाए गए अवैध रैंप और स्लैब को जेसीबी मशीन की मदद से हटाकर नाले की व्यापक सफाई कराई गई, जिससे जल निकासी व्यवस्था को सुचारू किया जा सके। कार्रवाई के दौरान मेरठ विकास प्राधिकरण के सहायक अभियंता मनीष तिवारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे और उन्होंने कार्य की निगरानी की। साथ ही जूनियर इंजीनियर नरेंद्र कुमार मारकंडे, सुपरवाइजर टीटू कौशल,एमडीए कर्मचारी अकबर अब्बासी लोहिया नगर सहित मेरठ विकास प्राधिकरण के अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। सहायक अभियंता मनीष तिवारी ने बताया कि नाले की स्थायी समस्या के समाधान के लिए इसका नया एस्टीमेट तैयार किया जा रहा है, ताकि भविष्य में जलभराव और सीवर ओवरफ्लो की समस्या दोबारा उत्पन्न न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नाले का निर्माण नए और बेहतर तकनीकी मानकों के अनुसार कराया जाए। इस अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन का सहयोग किया। पूर्व चेयरमैन गाजीपुर विनोद कुमार, बॉबी त्यागी, साजिद, सुनील चिकारा,अजय चौधरी,सहित अन्य स्थानीय लोगों ने मौके पर मौजूद रहकर कार्य में सहयोग दिया और एमडीए की इस कार्रवाई की सराहना की।

रायपुर में आईपीएल के 2 मैच खेलेगी आरसीबी

इंदौर भी हो सकता है वेन्यू, बेंगलुरु में विक्ट्री परेड में 11 लोगों की मौत हुई थी

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की टीम रायपुर में IPL 2026 के 2 मैच खेलेगी। सूत्रों ने बताया है कि रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम को 2 मुकाबलों की मेजबानी दी जा चुकी है। इसके अलावा बेंगलुरु, मुंबई और इंदौर भी मेजबानी रेस में शामिल हैं। बेंगलुरु में भी बाकि के बचे 5 मैच कराने प्रयास किए जा रहे हैं। यदि एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को NOC मिल जाता है तो मैच होंगे।

ऐसा नहीं होने पर रायपुर को 3 और मैच दिए जाएंगे। शेष दो मैच इंदौर में कराए जा सकते हैं। IPL के सीजन में एक टीम के 14 लीग मैच होते हैं। टीम इनमें से 7 मैच होम ग्राउंड में खेलती है।

पहले मीडिया रिपोर्ट्स में RCB के 5 मैच नवी मुंबई और 2 मैच रायपुर में होने के दावे किए गए थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि RCB ने अभी तक कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) से चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच कराने को लेकर कोई संपर्क नहीं किया है। 4 जून को बेंगलुरु में RCB के IPL विक्ट्री सेलिब्रेशन के दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी।

बेंगलुरु में भगदड़ में 11 लोगों की मौत हुई थी

IPL 2025 का खिताब जीतने के बाद RCB ने 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम में ट्रॉफी सेलिब्रेशन रखा था, लेकिन खराब प्लानिंग और भीड़ नियंत्रण की कमी के कारण हालात बिगड़ गए थे। इस दौरान हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए। कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार RCB को बताया गया था। इसमें कोहली का भी जिक्र था। कर्नाटक सरकार ने कहा कि RCB ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी।

193 का टारगेट 3 विकेट खोकर चेज किया, कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिफ्टी

मुंबई ने गुजरात को लगातार 8वां डब्ल्यूपीएल मैच हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) में लगातार 8वां मैच हरा दिया। चौथे सीजन में गुजरात को पहली ही हार मिली। मंगलवार को DY पाटील स्टेडियम में मुंबई ने बॉलिंग चुनी। गुजरात ने 5 विकेट खोकर 192 रन बनाए। MI ने 19.2 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगाई। उनके साथ अमनजोत कौर ने 40, निकोला कैरी ने 38 और हैली मैथ्यूज ने 22 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। टीम से 4 गेंदबाजों ने 1-1 विकेट लिया। गुजरात से जॉर्जिया वेयरहम ने 43, भारती फुलमाली ने 36, कनिका आहूजा ने 35 और बेथ मूनी ने 33 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। आयुषी सोनी 14 गेंद पर 11 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुईं, वे WPL में रिटायर्ड हर्ट होने वाली पहली ही प्लेयर बनीं। गेंदबाजी में रेणुका ठाकुर, काशवी गौतम और सोफी डिवाइन ने 1-1 विकेट लिया। मुंबई इंडियंस ने 19.2 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने विनिंग बाउंड्री लगाई। हरमन ने 71 और निकोला कैरी ने 38 रन बनाए। 17वें ओवर में मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने फिफ्टी लगा दी। उन्होंने काशवी गौतम के खिलाफ सिंगल लेकर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की। इसी ओवर में उन्होंने निकोला कैरी के साथ चौथे विकेट के लिए हाफ सेंचुरी पार्टनरशिप भी कर ली।

अमनजोत कौर और हरमनप्रीत कौर ने मुंबई को संभाला।

गुजरात की पहली हार

चौथे सीजन में गुजरात जायंट्स को लगातार 2 जीत के बाद पहली ही हार मिली। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स और यूपी वॉरियर्ज को शुरुआती 2 मुकाबलों में हराया था। वहीं मुंबई को 3 मैच में दूसरी जीत मिली। टीम को बेंगलुरु ने हराया, लेकिन दिल्ली और गुजरात के खिलाफ जीत हासिल कर ली। टूर्नामेंट इतिहास में गुजरात की टीम आज तक मुंबई को नहीं हरा सकी।

मनोरंजन

सिद्धांत कपूर बोले- ये तो मेरे लिए भी न्यूज है, सिद्धांत कपूर ने मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी

श्रद्धा की शादी की अटकलों पर भाई का मजेदार रिएक्शन

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर को लेकर इन दिनों सोशल मीडिया पर शादी की चर्चाएं तेज हैं। दावा किया जा रहा है कि श्रद्धा अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकती हैं। हालांकि, इस पर अब तक श्रद्धा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं किया गया है। दरअसल, एक पोस्ट में दावा किया गया कि श्रद्धा और राहुल की शादी राजस्थान के उदयपुर में हो सकती है। जिसके बाद इन दावों पर श्रद्धा के भाई और एक्टर सिद्धांत कपूर ने मजेदार अंदाज में प्रतिक्रिया दी। सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में हैरानी और हंसी वाले इमोजी के साथ लिखा, "ये तो मेरे लिए भी न्यूज है।" बता दें कि श्रद्धा और सिद्धांत, दोनों ही एक्टर शक्ति कपूर के बच्चे हैं। पिछले हफ्ते श्रद्धा ने भी अपनी शादी को लेकर चर्चा तब बढ़ा दी थी, जब उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक फैन के सवाल का जवाब दिया था। फैन ने पूछा था, " श्रद्धा जी शादी कब करोगे?" इस पर श्रद्धा ने मजाकिया अंदाज में लिखा था, "मैं करूंगी, यू विवाह करूंगी।"

सिद्धांत ने इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही एक पोस्ट के कमेंट सेक्शन में हैरानी और हंसी वाले इमोजी के साथ लिखा, "ये तो मेरे लिए भी न्यूज है।"

बता दें कि श्रद्धा और राहुल के रिश्ते की चर्चा पहली बार 2024 की शुरुआत में तब हुई, जब दोनों को मुंबई में एक डिनर डेट के बाद साथ देखा गया था। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से कभी स्वीकार नहीं किया है, लेकिन उन्हें अक्सर साथ स्पॉट किया गया है।

राजा साब का मंगल भारी

5 दिन में 'धुरंधर' के सामने पड़ी ठंडी, क्या निकाल पाएगी इतना मोटा बजट?

नई दिल्ली। प्रभास के बॉक्स ऑफिस पर सितारे पिछले कुछ समय से गर्दिश में चल रहे हैं। आदिपुरुष के बाद उनका करियर ग्राफ ऐसा गिरा है, जिसे उठाना अब बेहद मुश्किल लग रहा है। 9 जनवरी 2026 में द राजा साहब की बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग भी काफी अच्छी हुई थी, लेकिन अब लगता है 'धुरंधर' के कहर के सामने इस फिल्म ने भी हार मान ली है, ऐसा हम नहीं, बल्कि फिल्म के आंकड़े कह रहे हैं। इ ंडिय न बॉक्स ऑफिस पर 'द राजा साब' भले ही वीकेंड के बाद से रेंग-रेंगकर चल रही थी, लेकिन वर्ल्डवाइड इस फिल्म ने अपनी पकड़ बनाई हुई थी। हालांकि, मंगलवार को विदेशो बॉक्स ऑफिस पर भी प्रभास की फिल्म की पकड़ छूट गई और मूवी के कलेक्शन में भारी गिरावट आई। 'द राजा साब' ने मंगलवार को कितनी कमाई की, चलिए देखते हैं। प्रभास और संजय दत्त स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म को वर्ल्डवाइड शुक्रवार को काफी अच्छी ओपनिंग मिली थी। फिल्म ने धुरंधर से डबल बिजनेस करके पहले ही दिन 90 करोड़ के आसपास का कलेक्शन कर लिया था। हालांकि, उसके बाद धीरे-धीरे फिल्म का कलेक्शन कम हुआ और चार दिनों में मूवी सिर्फ 161 करोड़ तक कमा पाई। मंगलवार को तो ये कलेक्शन और भी ज्यादा डाउन हो गया। सैकनलिक डॉट कॉम की रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंगलवार को फिल्म ने सिंगल डे में सिर्फ 8 करोड़ के आसपास पूरी दुनियाभर में कलेक्शन किया है। फिल्म का कलेक्शन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 169.25 करोड़ तक ही पहुंच पाया है।

भारतीय फैंस को के-पॉप स्टार के लिए करना होगा कितना इंतजार?

4 साल बाद वर्ल्ड टूर करेगा बीटीएस

नई दिल्ली। के-पॉप सुपरस्टार बीटीएस चार साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर दुनिया को अपनी धुन पर नचाने के लिए तैयार है। हाल ही में बैंड ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट्स पर एक भव्य वर्ल्ड टूर की घोषणा की है, जिससे वैश्विक स्तर पर उनके प्रशंसकों के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है।

साल 2022 के बाद से 'बुलेटप्रूफ बॉय स्काउट्स' (BTS) ने न तो कोई दौरा किया और न ही कोई नया म्यूजिक रिलीज किया था। इसका मुख्य कारण दक्षिण कोरिया का वह कानून है, जिसके तहत 30 साल से कम उम्र के सभी सक्षम पुरुषों के लिए अनिवार्य सैन्य सेवा (National Military Service) देना आवश्यक है। ग्रुप के सभी 7 सदस्यों ने अब अपनी सेवा पूरी कर ली है। नए साल के मौके पर उन्होंने घोषणा की कि वर्ल्ड टूर पर निकलने से पहले मार्च 2026 में वह अपना नया एल्बम रिलीज करेंगे। बैंड की एजेंसी हाइब के अनुसार, यह किसी भी साउथ कोरियन कलाकार का अब तक का सबसे बड़ा वर्ल्ड टूर होने वाला है। इसके तहत 34 शहरों में 79 परफॉर्मेंस दी जाएंगी। यह सफर 9 अप्रैल 2026 को दक्षिण कोरिया के गोयांग से शुरू होगा और उसके बाद जापान, अमेरिका और यूरोप के कई शहरों में आयोजित किया जाएगा। यह टूर मार्च 2027 तक चलने की उम्मीद है। भारतीय प्रशंसकों के लिए खबर थोड़ी मिली-जुली है। हालांकि अभी तक की आधिकारिक लिस्ट में भारत का नाम शामिल नहीं है, लेकिन बैंड ने उम्मीद दी है कि फ्यूचर में और शहरों के नाम जोड़े जा सकते हैं। इंस्टाग्राम पर की गई घोषणा में कहा गया है कि वर्तमान लिस्ट में इंडिया नहीं है, लेकिन 2027 में भारत का दौरा होने की संभावना बनी हुई है। लंबे समय बाद लौट रहे BTS ग्रुप की इस अनाउंसमेंट को सुनने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया जाहिर कर रहे हैं।

ग्लोबल आइकॉन बन चुके इस बैंड के नाम 'डायनामाइट' और 'बटर' जैसे सुपरहिट गानों के साथ स्पॉटिफाई पर सबसे ज्यादा स्ट्रीमिंग का रिकॉर्ड दर्ज है। इसके अलावा, बिलबोर्ड 200 और बिलबोर्ड आर्टिस्ट 100 चार्ट में शीर्ष पर पहुंचने वाले वह पहले के-पॉप कलाकार हैं।

करण पर लगे आरोपों के बीच पत्नी की पहली पोस्ट

पलक औजला ने इंस्टाग्राम पर सिंगर के साथ तस्वीर शेयर की

पंजाबी सिंगर और रैपर करण औजला इन दिनों चर्चा में हैं। औजला पर एक कनाडाई आर्टिस्ट ने चीटिंग के गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का दावा है कि सिंगर ने अपनी शादीशुदा जिंदगी की बात छुपाकर उनके साथ रिलेशनशिप रखा। सोशल मीडिया पर एमएस गोरी म्यूजिक नाम से पहचानी जाने वाली इस आर्टिस्ट के आरोपों के बाद अब एक ऑस्ट्रेलियाई महिला भी सामने आई है, जिसने भी औजला पर आरोप लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलियाई महिला, जो खुद को डीजे स्वान म्यूजिक बताती हैं, ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर दावा किया कि करण उन्हें भी डीएम कर रहे थे। इन आरोपों के बीच सिंगर की पत्नी पलक औजला का एक सोशल मीडिया पोस्ट भी चर्चा में आ गई है।

जहां करण ने अब तक इन आरोपों पर चुप्पी साध रखी है, वहीं उनकी पत्नी पलक का पोस्ट लोगों का ध्यान खींच रहा है। पलक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी और करण की एक तस्वीर शेयर की है। गौरतलब है कि यह पोस्ट ऐसे समय पर सामने आई है, जब सिंगर पर चीटिंग के आरोप लग रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि पलक ने इस पोस्ट के जरिए पति को अपना सपोर्ट दिया है।

स्पेस से सिग्नल भेजा, कंपनी बोली- किस रास्ते से पहुंचा, पता लगा रहे

इसरो का रॉकेट हुआ फेल फिर भी स्पेनिश सैटेलाइट एक्टिव

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सैटेलाइट सुबह 10.18 बजे लॉन्च हुआ था।

गड़बड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

ISRO का PSLV-C62 मिशन सोमवार को फेल हो गया। उड़ान भरने के 8 मिनट बाद PSLV रॉकेट तय रास्ते से भटक गया। इसी रॉकेट से एक सैटेलाइट भेजने वाली स्पेन की कंपनी ने मंगलवार को कहा है कि उसे इसका सिग्नल मिला है।

स्पेन की स्टार्टअप कंपनी ऑर्बिटल पैराडाइम ने मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि तकनीकी गड़बड़ी से पहले ही उनका KID (केस्ट्रेल इनिशियल डेमोंस्ट्रेटर) सैटेलाइट रॉकेट से अलग हो चुका था। इसी वजह से उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

ऑर्बिटल पैराडाइम ने यह भी बताया कि अब यह पता लगाया जा रहा है कि सैटेलाइट किस रास्ते से अंतरिक्ष में पहुंचा। उसके ट्रैजेक्ट्री से जुड़े पूरे तकनीकी आंकड़े और विश्लेषण बाद में एक विस्तृत रिपोर्ट के रूप में जारी किए जाएंगे।

मिशन फेल होने के बावजूद कैप्सूल का सक्रिय हो जाना स्पेनिश कंपनी के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। यह एक टेस्ट और डेमोंस्ट्रेशन मिशन है, जिसका मकसद भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए तकनीक को परखना था।

कंपनी के मुताबिक, KID कैप्सूल का मकसद अंतरिक्ष में कुछ समय तक सक्रिय रहकर सिग्नल और तकनीकी डेटा भेजना था। इसके बाद योजना यह थी कि कैप्सूल धरती के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश करे, इस दौरान बनने वाली तेज गर्मी (हीट) को झेले और अंत में समुद्र में गिरकर (स्प्लैशडाउन) अपना मिशन पूरा करे। हालांकि फिलहाल कैप्सूल अंतरिक्ष में ही सक्रिय है। इस मिशन पर जिन 16 सैटेलाइट्स को लॉन्च किया गया था, उनमें 8 भारतीय और 8 विदेशी सैटेलाइट हैं। इसमें फ्रांस, नेपाल, ब्राजील और यूके के सैटेलाइट शामिल हैं

मिशन का सबसे अहम हिस्सा था- हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग तकनीक वाली EOS-N1 सैटेलाइट, जिसे अन्वेषा भी कहा जाता है। यह स्पेस से जमीन की बारीक तस्वीरें लेने वाला सैटेलाइट था। इसका इस्तेमाल सेना और डिफेंस के इस्तेमाल के लिए होना था।

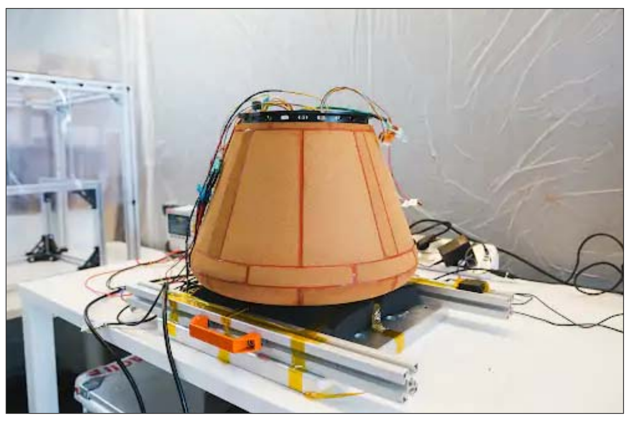

यह तस्वीर KID कैप्सूल (सैटेलाइट) की है, जिसे स्पेनिश स्टार्टअप ने विकसित किया है।

इसरो ने मिशन के फेल होने की क्या वजह बताई

ISRO के मुताबिक PSLV-C62 मिशन थर्ड स्टेज के आखिर में गड़बड़ हुआ। टेलीमेट्री डेटा में पता चला कि रॉकेट के रोल रेट (घूमने की गति/कंट्रोल) में डिस्टर्बेंस आ गई, यानी रॉकेट अनियंत्रित होकर घूमने लगा और अपना तय फ्लाइट पाथ छोड़कर भटक गया।

ISRO चीफ वी. नारायणन ने कहा कि तीसरे स्टेज के अंत तक प्रदर्शन सामान्य था, उसके बाद रोल रेट में गड़बड़ी और फ्लाइट पाथ में डेविएशन दिखा। फिलहाल ISRO डेटा एनालिसिस कर रहा है।

512 किलोमीटर की ऊंचाई पर ऑर्बिट में स्थापित होने थे सैटेलाइट

EOS-N1 (अन्वेषा) और 14 सैटेलाइट्स को 512 किलोमीटर की ऊंचाई पर सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट (SSO) में स्थापित किया जाना था।

रॉकेट के चौथे हिस्से (PS4 स्टेज) को दोबारा चालू किया जाना था ताकि इसे वापस धरती की ओर मोड़ा जा सके।

फिर स्पेन के एक स्टार्टअप का 'KID' यानी केस्ट्रल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोनस्ट्रेटर KID कैप्सूल इससे अलग हो जाता।

रॉकेट की तीसरी स्टेज के अंतिम चरण में कुछ गड़बड़ी हो गई इससे रॉकेट अपना रास्ता भटक गया।

मिशन के 8वें मिनट में गड़बड़ी हुई

- PSLV-C62 / EOS-N1 मिशन कुल 1 घंटा 48 मिनट 5 सेकेंड का था, लेकिन 8वें मिनट में गड़बड़ी आ गई। इस वजह से:
- PS4 स्टेज का इग्निशन (505.12 s) हुआ या नहीं, या पूरी तरह सफल नहीं रहा।
- सैटेलाइट्स (EOS-N1 सहित 16 पेलोड) को ऑर्बिट में इंजेक्ट नहीं किया जा सका।
- री-एंट्री बर्न और KID सेपरेशन (6485 s) जैसे बाद के इवेंट्स नहीं हो सके।
- इसरो ने इसे न तो सफल और न ही असफल घोषित किया है। आमतौर पर तीसरे चरण में गड़बड़ी होने पर मिशन लगभग फेल ही माना जाता है।
- रॉकेट की तीसरी स्टेज के अंतिम चरण में कुछ गड़बड़ी हो गई इससे रॉकेट अपना रास्ता भटक गया।

आयुलसैट बेंगलुरु की स्पेस टेक्नोलॉजी स्टार्टअप OrbitAID का बनाया सैटेलाइट था। इस सैटेलाइट का मकसद अंतरिक्ष में ईंधन भरने की तकनीक पर काम करना था। इस तकनीक के जरिए भविष्य में हम स्पेसशिप्स की लाइफ बढ़ा सकते हैं।

MOI-1 हैदराबाद की दो स्टार्टअप कंपनियों 'TakeMe2Space' और 'EON Space Labs' ने मिलकर बनाया था। यह AI इंटीग्रेटेड सैटेलाइट था। इसके पास स्पेस में ही डेटा को प्रोसेस करने की क्षमता है। इससे ग्राउंड स्टेशन पर निर्भरता कम हो सकती थी।

MOI-1 में MIRA नाम की एक स्वदेशी स्पेस टेलीस्कोप भी थी।

'हिंदुओं का गला काटने से मिलेगी आजादी'

नई दिल्ली। पाकिस्तान एक बार फिर आतंकवाद को खुला समर्थन देता नजर आ रहा है। पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के एक वरिष्ठ आतंकी ने जम्मू-कश्मीर को लेकर खुली हिंसा और नरसंहार की धमकी दी है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (POJK) में दिए गए इस भड़काऊ भाषण का वीडियो सामने आने के बाद भारत की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी अबू मूसा कश्मीरी ने सार्वजनिक मंच से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की खुली अपील की। उसने कहा कि कश्मीर मुद्दे का समाधान सिर्फ आतंक और तथाकथित जिहाद से ही हो सकता है। इस कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें भीड़ को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि ₹आजादी भीख मांगने से नहीं, हिंदुओं के गले काटने से मिलेगी। अबू मूसा कश्मीरी ने दावा किया कि उसने अपने ये विचार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों तक भी सीधे पहुंचाए हैं।

अमेरिका की कॉलेज में पालक पनीर की 'खुशबू' पर मचा बवाल

अब भारतीय कपल को मिलेगा 1.8 करोड़ का हर्जाना

नई दिल्ली। अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में पालक पनीर की खुशबू को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विश्वविद्यालय ने इसे लेकर भारतीय छात्रों पर कार्रवाई की। उन्हें न सिर्फ कॉलेज से निकाल दिया गया, बल्कि पीएचडी की डिग्री देने से भी इनकार कर दिया। ये मामला अदालत में पहुंचा और अब कॉलेज को 2 लाख डॉलर का मुआवजा देना पड़ेगा।

2023 में अमेरिका के कोलोराडो बोल्डर विश्वविद्यालय से अजीबोग-रीब मामला सामने आया। 34 वर्षीय आदित्य प्रकाश और 35 वर्षीय उर्मी भट्टाचार्य उस दौरान कॉलेज में सेकेंड ईयर के छात्र थे। दोनों ने पीएचडी की डिग्री हासिल करने के लिए कॉलेज में दाखिला लिया था।

5 सितंबर 2023 को प्रकाश यूनिवर्सिटी के ओवन में अपना लंच गर्म करने पहुंचा। प्रकाश के टिफिन में पालक पनीर की सब्जी थी। ऐसे में विश्वविद्यालय की स्टाफ ने उन्हें

सब्जी गर्म करने से मना कर दिया। स्टाफ का कहना था कि सब्जी से 'बदबू' आ रही है, इसलिए इसे ओवन में गर्म नहीं किया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए प्रकाश ने कहा, ₹मेरा खाना मेरा गर्व है। कोई और तय नहीं करेगा कि वो खुशबूदार है या बदबूदार। किसी स्टाफ के सदस्य ने मुझसे कहा कि अजीब खुशबू की वजह से हम ओवन में ब्रोकली भी गर्म नहीं करने देते हैं। मैंने उनसे सिर्फ इतना कहा कि ब्रोकली खाने की वजह से कितने लोगों को भेदभाव का सामना करना पड़ता है? प्रकाश की पार्टनर उर्मी भी उनके समर्थन में उतर आईं।

कोस्टा रिका में आगामी चुनाव से पहले राष्ट्रपति को जान से मारने की साजिश

खुफिया चीफ का खुलासा

- राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेज की हत्या की साजिश का खुलासा
- आगामी चुनावों के मद्देनजर रची गई यह साजिश

संदिग्ध महिला की तलाश में जुटी जांच एजेंसियां

नई दिल्ली। वेनेजुएला के बाद सेंट्रल अमेरिका में मौजूद एक और देश के राष्ट्रपति पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। कोस्टा रिका के राष्ट्रपति रोड्रिगो चावेज को मारने की सुपारी दी गई है। आगामी चुनावों के मद्देनजर रोड्रिगो के खिलाफ साजिश रची जा रही है, जिसका खुलासा खुद कोस्टा रिका की सरकार ने किया है। कोस्टा रिका में खुफिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रमुख जॉर्ज टोरेस ने गुप्त सूत्रों के हवाले से बताया कि एजेंसी को चावेज के खिलाफ साजिश की

भनक लगी है। आगामी चुनाव में रोड्रिगो की दक्षिणपंथी पार्टी के जीत की प्रबल संभावना है, जिसके कारण रोड्रिगो को रास्ते से हटाने की कोशिश की जा रही है। कोस्टा रिका के अटॉर्नी जनरल कार्लो डियाज ने मीडिया को बताया कि किसी महिला को रोड्रिगो की सुपारी दी गई है। जांच एजेंसियां संदिग्ध महिला की तलाश कर रहीं हैं। वो महिला सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव है, लेकिन अभी तक उससे जुड़ी कोई जानकारी नहीं मिली है। कोस्टा रिका में अगले महीने 1 फरवरी को संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव होंगे। हालांकि, रोड्रिगो की हत्या की साजिश के तार चुनाव से जुड़े होने का कोई सबूत नहीं मिला है। बता दें कि कोस्टा रिका के संविधान के अनुसार, रोड्रिगो दो बार से अधिक राष्ट्रपति नहीं बन सकते हैं। उनका दूसरा कार्यकाल भी पूरा होने वाला है। ऐसे में रोड्रिगो ने पूर्व मंत्री लौरा फर्नांडीज को अपना उत्तराधिकारी चुना है। राष्ट्रपति के रूप में रोड्रिगो ने ड्रग तस्करी के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं, जिसके कारण लौरा के जीतने की संभावना भी बढ़ गई है।

फास्ट न्यूज

'आपने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी साध रखी है', भारत ने कनाडा को दिखाया आईना

नई दिल्ली। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक ने खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तीखा हमला बोला है। कनाडा के सरकारी चैनल CBC पर मंगलवार को दिए इंटरव्यू में पटनायक ने कहा कि कनाडा ने पिछले 40 सालों में अपनी जमीन पर चल रही आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, इससे भारत विरोधी चरमपंथ को बढ़ावा मिला है।

सेंसेक्स में 200 अंक से ज्यादा की गिरावट

मुंबई । शेयर बाजार में आज यानी 14 जनवरी को गिरावट है। सेंसेक्स 200 अंक से ज्यादा की गिरावट के साथ 83,300 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 100 अंक की गिरावट है। ये 25,650 पर कारोबार कर रहा है। आज ऑटो, बैंकिंग और IT शेयर में बिकवाली देखने को मिल रही है। एशियाई बाजारों में कोरिया का कोस्पी 0.65% ऊपर 4,723 पर और जापान का निक्केई इंडेक्स 1.48% ऊपर 54,341 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.56% ऊपर 26,999 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.31% नीचे 4,126 पर बंद हुआ।

याह्या सिनवार के बाद कौन बनेगा हमास चीफ

गाजा । गाजा जंग में अपने कई टॉप अधिकारियों के मारे जाने के बाद हमास अपने संगठन को मजबूत करने के लिए आंतरिक चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। हमास से जुड़े एक नेता ने न्यूज एजेंसी AFP से बताया कि इसकी तैयारियां चल रही हैं। जमीनी हालात ठीक होते ही चुनाव कराए जाएंगे। अधिकारी के मुताबिक ये चुनाव कुछ ही दिनों में होने की उम्मीद है।

चांदी तीन दिन में ₹34 हजार बढ़ी

2.77 लाख प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज (14 जनवरी) को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई पर हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, एक किलो चांदी की कीमत 14,145 रुपए बढ़कर 2,77,175 रुपए हो गई है। कल इसने 2,63,032 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

तीन दिन में चांदी 34 हजार रुपए से ज्यादा महंगी हो चुकी है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,868 रुपए बढ़कर 1,42,152 रुपए के ऑल टाइम हाई पर ओपन हुआ है। कल इसकी कीमत 1,40,482 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स

मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

आईसीई की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के तहत डिटेंशन कैंपों में अवैध प्रवासियों की मौतें बढ़ी

ट्रंप के एजेंट्स की हिरासत में जान गंवा रहे अवैध प्रवासी

- आईसीई की रिपोर्ट के अनुसार, 2 लोगों की मौत का कारण दिल की बीमारी थी। वहीं, अन्य दो लोगों की मौत की वजह साफ नहीं है। इसकी जांच की जा रही है।

नई दिल्ली, एजेंसी

7 जनवरी को मिनियापोलिस में महिला की दर्दनाक मौत के बाद ट्रंप और उनके एजेंट्स सवालों के घेरे में हैं। अमेरिकी इमीग्रेशन और कस्टम इंफोर्समेंट (ICE) एजेंसी ने रेने निकोले गुड नामक महिला को चलती कार में गोली मार दी। सिर में गोली लगने से महिला की मौके पर

ही मौत हो गई थी। अब ICE ने चौंकाने वाली जानकारी साझा की है। अवैध प्रवासियों को चुन-चुन कर अमेरिका से बाहर निकालने में जुटी ICE के डिटेंशन कैंपों की हालत नरक से भी बदतर है। ICE ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए बताया कि इसी साल डिटेंशन कैंप में कई लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले साल भी मृतकों की संख्या 20 साल में सबसे अधिक देखने को मिली थी। पिछले 2 दशकों में 2025 अवैध प्रवासियों के लिए सबसे खौफनाक साल रहा है। इस दौरान ICE के डिटेंशन कैंप में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई है। 2004 के बाद पहली बार डिटेंशन कैंप में इतने लोगों की जान जाने का मामला सामने आया है। 2021-2025 के बीच ICE की हिरासत में 26 लोगों की मौत हुई थी। अमेरिकी नागरिक स्वतंत्रता संघ (ACLU) की ओर से 2024 में जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, डिटेंशन कैंप में मौजूद लोगों की सही तरीके से देखभाल करके उनकी जान बचाई जा सकती थी। मृतकों की मेडिकल रिपोर्ट में भी इलाज की अनदेखी और लापरवाही को मौत की बड़ी वजह माना गया है।

आईसीई ने पेश किए आंकड़े

2026 की शुरुआत से महज 10 दिन के भीतर ICE की हिरासत में कम से कम 4 लोगों की जान गई है। वहीं, 9 और 10 जनवरी को 3 लोगों की मौत हुई है। सारे मृतक अवैध प्रवासी थे, जिनकी उम्र 42-68 वर्ष बताई जा रही है। इनमें दो होंडुरास, 1 क्यूबा और 1 कंबोडिया का नागरिक था।

महंगाई: दिसंबर में खाने-पीने की चीजें महंगी होने से 0.83% पर पहुंची, नवंबर में माइनस 0.32% पर थी

थोक महंगाई 8 महीने में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिसंबर में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 0.83% पर पहुंच गई है। ये 8 महीनों का हाई लेवल है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने से महंगाई बढ़ी है। इससे पहले नवंबर में ये माइनस 0.32% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये माइनस 1.21% पर आ गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 दिसंबर को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 2.93% से बढ़कर 0.21% हो गई।

खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.60% से बढ़कर 0% हो गई।

फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.27% से घटकर माइनस 2.31% रही।

प्राइमरी आर्टिकल, जिसका वेटेज 22.62% है। फ्यूल एंड पावर का वेटेज 13.15% और मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट का वेटेज सबसे ज्यादा 64.23% है। प्राइमरी आर्टिकल के भी चार हिस्से हैं। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (CPI) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (WPI) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। महंगाई मापने के लिए अलग-अलग आइटम्स को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 22.62% और फ्यूल एंड पावर 13.15% होती है।

> दिसंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.33% के स्तर पर पहुंच गई है। ये तीन महीनों का हाई लेवल है। इससे पहले नवंबर में ये 0.71% पर थी। वहीं अक्टूबर में ये 0.25% पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर था।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए WPI को कंट्रोल कर सकती है।

जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। WPI में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

150 साल बाद स्पेन को मिलने जा रही पहली रानी

नई दिल्ली। स्पेन में 150 साल में पहली बार एक रानी शासन संभालने जा रही है। राजा फेलिप VI और रानी लेटिजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर अब अपने परिवार की गद्दी संभालने के लिए तैयार हैं।

1800 के दशक से अब तक इसाबेला II के बाद वे देश की पहली महिला शासक बनने वाली हैं। 1700 के दशक के आरंभ से ही स्पेन का राज बोर्बोन राजवंश के पास रहा है। इन्होंने स्पेन के उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग राजवंश पर विजय प्राप्त की थी। जनरल फ्रेंको की तानाशाही समाप्त होने के बाद, 1975 में राजा जुआन कार्लोस प्रथम के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2014 में पद त्याग दिया और सिंहासन अपने पुत्र फेलिप को सौंप दिया। अब उनकी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96